RNI No. : TNHIN/2013/52520 ▪ वर्ष - 14 ▪ अंक - 30 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » शनिवार » 22-08-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

# दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

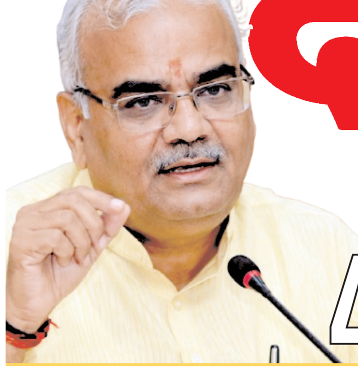

4 ग्रामीण नहीं चाहते उनके बच्चे असंस्कारी बनें : दिलावर

6 कश्मीर पर अमेरिकी सुर बदले : भारत का कद बढ़ा, पाक बेचैन

7 प्रिया भवानी शंकर ने 'इरुमुड़ी' के सफर को बताया बेहद खास

## फर्स्ट टेक

### सलमान खान 'फ्रैंचाइजी' के जिम में आग लगी

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली के ग्रेटर कैलाश-1 में स्थित अभिनेता सलमान खान के ब्रांड के 'फ्रैंचाइजी' जिम में आग लग जाने के बाद वहां मौजूद लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, ग्रेटर कैलाश के एम ब्लॉक मार्केट में एक इमारत की पहली मंजिल पर स्थित सलमान खान जिम' में आग बृहस्पतिवार रात करीब 10:15 बजे लगी। आग लगने का कारण प्रथम दृष्टया शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है और यह मामूली आग थी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि सूचना मिलते ही अग्निशमन सेवा को सूचित किया गया। दमकलकर्मियों के पहुंचने से पहले स्थानीय पुलिसकर्मियों ने जिम में मौजूद सभी लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। पुलिस ने बताया कि दमकल की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पा लिया। आग को पूरी तरह बुझा दिया गया। पुलिस के अनुसार, घटना में किसी के हताहत होने या घायल होने की सूचना नहीं है और कोई बड़ा नुकसान भी नहीं हुआ है।

### भारत और रूस ने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग मजबूत करने पर चर्चा की

नई दिल्ली/भाषा। भारत और रूस ने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में आपसी हितों के संभावित क्षेत्रों पर चर्चा की और इस क्षेत्र में सहयोग को मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। शिक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। मंत्रालय ने सोशल मीडिया मंच एक्स' पर एक पोस्ट में बताया कि उच्च शिक्षा विभाग की सचिव दीप्ति गौर मुखर्जी ने बृहस्पतिवार को रूसी संघ के विज्ञान एवं उच्च शिक्षा उप मंत्री मोगिलेव्स्की कॉन्स्टेंटिन इलिच के साथ बातचीत की। मंत्रालय ने पोस्ट में कहा, दोनों पक्षों ने आपसी हितों के संभावित क्षेत्रों पर चर्चा की और दोनों देशों के बीच उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग को मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

### स्वीडन के स्कूल में तलवार लेकर घुसा हमलावर

बर्लिन/एपी। स्वीडन के एक स्कूल में शुक्रवार को तलवार लेकर घुसे एक हमलावर ने कई लोगों को घायल कर दिया। संदिग्ध हमलावर को हिरासत में लिया गया है। स्थानीय अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि यह हमला राजधानी स्टॉकहोम के उत्तर-पश्चिम में स्थित फागरस्टा शहर के ब्रिनेल स्कूल में हुआ। पुलिस प्रवक्ता पेले वामस्टैड ने बताया कि शुक्रवार दोपहर को सूचना मिलने के बाद पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुंची। वामस्टैड ने कहा कि अधिकारी मामले की जांच में जुटे हैं ।

# सुधार हमारी सरकार की प्रतिबद्धता, भारत उम्मीद का प्रमुख केंद्र : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

> "हम केवल नियमों में बदलाव नहीं कर रहे हैं, बल्कि नियमों की समूची नीति को ही बदल रहे हैं। हमारी सरकार का मानना है कि ऐसा कोई काम करने के लिए कोई नियमन नहीं होना चाहिए, जिसे कानून के तहत स्पष्ट रूप से प्रतिबंधित नहीं किया गया है।"

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि सभी क्षेत्रों में सुधार उनकी सरकार की प्रतिबद्धता है और भारत आर्थिक वृद्धि की रफ्तार बनाए रखने के लिए लगातार कई कदम उठा रहा है। मोदी ने 'इकोनॉमिक टाइम्स वर्ल्ड लीडर्स फोरम' को संबोधित करते हुए कहा कि भारत में राजनीतिक स्थिरता और इसकी नीतियों में निरंतरता है तथा दुनिया देश को वृद्धि एवं उम्मीद के एक प्रमुख केंद्र के रूप में देख रही है। उन्होंने कहा, ''भारत लगातार वृद्धि की गति बनाए रखने के लिए कई कदम उठा रहा है। भारत सभी क्षेत्रों में सुधारों को आगे बढ़ा रहा है और सुधार हमारी प्रतिबद्धता हैं।''

प्रधानमंत्री ने कहा कि संसाधनों का इस्तेमाल हथियार के तौर पर किए जाने से दुनिया में वृद्धि को लेकर कई चिंताएं हैं, लेकिन भारत को वृद्धि के एक प्रमुख केंद्र के रूप में देखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के पास सुधारों के लिए स्पष्ट खाका है जिसमें सुशासन पर विशेष जोर दिया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार अधिक उत्पादन को प्रोत्साहन के जरिये बढ़ावा दे रही है। मोदी ने पिछली सरकारों पर लोगों को अभाव में रखने की नीति अपनाने का आरोप लगाया, ताकि उन्हें बुनियादी जरूरतों के लिए भी सरकार के सामने निर्भर रहना पड़े। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों का 'लाइसेंस-राज' बेरोजगारी का बोझ बढ़ाता था, जबकि उनकी सरकार का उत्पादन-आधारित प्रोत्साहन मॉडल अवसर पैदा कर रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा, ''हम केवल नियमों में बदलाव नहीं कर रहे हैं, बल्कि नियमों की समूची नीति को ही बदल रहे हैं। हमारी सरकार का मानना है कि ऐसा कोई काम करने के लिए कोई नियमन नहीं होना चाहिए, जिसे कानून के तहत स्पष्ट रूप से प्रतिबंधित नहीं किया गया है।'' उन्होंने कहा कि सरकार नीतिगत स्तर पर अगली पीढ़ी के सुधार कर रही है तथा सुशासन एवं जीवन सुगमता के स्तर पर भी सुधार लागू कर रही है। उन्होंने कहा, ''हम अनुमति मिलने तक प्रतिबंधित' दृष्टिकोण से प्रतिबंधित होने तक 'अनुमति' के मॉडल की तरफ बढ़ रहे हैं।''

मोदी ने कहा कि भारत पिछली सरकारों के 'उत्पादन आधारित दंड' (पीएलपी) मॉडल से निकलकर अब उत्पादन-आधारित प्रोत्साहन' (पीएलआई) की ओर बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि भारतीय रेलवे, दिल्ली मेट्रो और नमो रैपिड रेल में छोटे-छोटे सुधार भी दिखाते हैं कि देश वक्त के साथ बदल रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि पहले भारत का नक्शा बनाने के लिए भी अनुमति लेनी पड़ती थी।

### पूर्ववर्ती ममता बनर्जी नीत सरकार ने 'सिंडिकेट राज' को बचाने के लिए नए आपराधिक कानूनों को रोका : अमित शाह

सिलीगुड़ी/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल की पिछली ममता बनर्जी सरकार ने संसद से पारित नए आपराधिक कानूनों को लागू करने के लिए अधिसूचित नहीं किया था, क्योंकि वह सिंडिकेट, कट-मनी और ''जबरन वसूली के तंत्र'' को बचाना चाहती थीं।

सिलीगुड़ी के कवाखाली मैदान में तीन नए आपराधिक कानूनों भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम - पर एक प्रदर्शनी का उद्घाटन करने के बाद जनसभा को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार द्वारा लागू किए गए इन कानूनों ने ''डर'' के माहौल को ''भरोसे'' में बदलने की दिशा में एक निर्णायक कदम उठाया है। शाह ने कहा, ''जब पूरा देश नए आपराधिक कानूनों को लागू कर रहा था, तब (ममता) बनर्जी ने उन्हें कभी अधिसूचित नहीं किया। उन्हें पता था कि ये कानून उनके सिंडिकेट, कट-मनी और जबरन वसूली के तंत्र के लिए मौत की घंटी साबित होंगे।'' शाह ने कहा कि नए आपराधिक कानून न्याय मिलने की प्रक्रिया को तेज करेंगे और किसी भी पुलिस थाने में शून्य प्राथमिकी दर्ज करने की सुविधा देंगे।

# सीमाएं सुरक्षित हुए बिना भारत सुरक्षित नहीं रह सकता : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सिलीगुड़ी/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि जब तक सीमाएं सुरक्षित नहीं होंगी, तब तक न तो पश्चिम बंगाल और न ही भारत सुरक्षित रह सकता है। शाह ने कहा कि उनके कई बार अनुरोध करने के बावजूद पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने राज्य में भारत-बांग्लादेश सीमा पर बाड़ लगाने के लिए जरूरी जमीन उपलब्ध नहीं कराई। शाह ने कहा कि राज्य के किसी भी पूर्व मुख्यमंत्री ने सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) या सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के कार्यक्रमों में कभी हिस्सा नहीं लिया। उन्होंने इस परंपरा को तोड़ने के लिए पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी को बधाई दी।

शाह ने सिलीगुड़ी स्थित एसएसबी फ्रंटियर मुख्यालय में विभिन्न परियोजनाओं के भूमि पूजन और शिलान्यास कार्यक्रम में कहा, मैंने बीएसएफ द्वारा सीमा पर बाड़ लगाए जाने के लिए जमीन देने की कई बार गुहार लगाई लेकिन (पूर्व मुख्यमंत्री) ममता बनर्जी ने इसे अनसुना कर दिया।

मैं सीमा सुरक्षा मजबूत करने के लिए 1,129 एकड़ जमीन की मांग 2014 से कर रहा था। राज्य में शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व वाली सरकार बनने के बाद ही हमें यह जमीन मिली। शाह ने कहा कि एसएसबी कोई राजनीतिक संगठन नहीं है और सीमावर्ती बलों के समारोहों से पूर्व मुख्यमंत्रियों की दूरी ने गलत संदेश दिया।

गृह मंत्री ने कहा कि वह आजादी के बाद देश में बनीं पूर्ववर्ती सरकारों द्वारा राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' को उचित सम्मान नहीं दिए जाने से दुखी थे। उन्होंने कहा, इस साल स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान लाल किले में 'वंदे मातरम' का पूरा संस्करण गाया गया लेकिन इससे पहले भारत में 'वंदे मातरम' का पूरा संस्करण कभी नहीं गाया गया था। मुझे इस बात की तसल्ली है कि बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा इसकी रचना के 150वें वर्ष में देश ने इस गीत को आखिरकार उचित मान्यता दी है।

# पैलेट गन मामले में प्राथमिकी दर्ज, राहुल का धरना समाप्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के छह घंटे से अधिक समय तक चले धरने के बाद दिल्ली पुलिस ने 20 जुलाई को छात्रों के प्रदर्शन के दौरान कथित तौर पर पैलेट गन से घायल हुए युवक साहिल लोचब के मामले में प्राथमिकी दर्ज की। इसके साथ ही, संसद मार्ग स्थित पुलिस उपायुक्त कार्यालय के बाहर राहुल गांधी का धरना समाप्त हो गया। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने प्राथमिकी दर्ज किए जाने को न्याय की दिशा में पहला कदम करार दिया और दावा किया कि न्याय की राह में 'ब्रेक' ऊपर से लगाया गया था तथा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह एवं गृह सचिव गोविंद मोहन के स्तर पर ''अंतिम मंजूरी'' मिलने के बाद पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की। दिल्ली पुलिस के एक अधिकारी ने बताया, हमने भारतीय न्याय संहिता की धारा 118 (खतरनाक हथियारों या साधनों से जानबूझकर चोट पहुंचाना या गंभीर चोट पहुंचाना) और धारा 25 (दूसरों के जीवन या व्यक्तिगत सुरक्षा को खतरे में डालना) के तहत प्राथमिकी दर्ज की है।

लोचब के साथ गांधी सबसे पहले मंदिर मार्ग थाने गए थे और प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की थी। इसके बाद वह प्राथमिकी दर्ज करने की मांग करते हुए संसद मार्ग स्थित थाने पर पहुंचे और पुलिस उपायुक्त सचिन शर्मा से मुलाकात की। मांग नहीं माने जाने पर वह थाना परिसर स्थित डीसीपी कार्यालय के सामने वह धरने पर बैठ गए। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा, जयराम रमेश, मुकुल वासनिक, कुमारी सैलजा, वरिष्ठ नेता सलमान खुर्शीद, अधीर रंजन चौधरी और कई अन्य नेता इस धरने में शामिल हुए।

धरना शुरू होने के बाद संसद मार्ग थाने के बाहर कांग्रेस कार्यकर्ताओं की भीड़ जमा हो गई।

# प्रधानमंत्री का अंतरिक्ष स्टार्टअप से कृषि, डेयरी, पर्यावरण में प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल का आह्वान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को युवा अंतरिक्ष उद्यमियों को सरकार के पूर्ण समर्थन का आश्वासन देते हुए उनसे अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल को कृषि, पशुधन प्रबंधन, डेयरी, पर्यावरण और आम लोगों के रोजमर्रा के जीवन से जुड़े अन्य क्षेत्रों तक ले जाने का आह्वान किया। मोदी ने यहां अंतरिक्ष गतिविधियों से जुड़ी 20 स्टार्टअप कंपनियों के मुख्य कार्यपालक अधिकारियों (सीईओ) एवं संस्थापकों के साथ बातचीत में कहा कि अंतरिक्ष कंपनियों और अन्य क्षेत्रों में काम करने वाले संगठनों के बीच अधिक सहयोग से इन प्रौद्योगिकियों के इस्तेमाल का दायरा बढ़ाया जा सकता है।

उन्होंने कहा, ''भारत सरकार भविष्य के लिए देश की क्षमताओं को विकसित करने में अंतरिक्ष स्टार्टअप के साथ खड़ी रहेगी। भारत अंतरिक्ष क्षेत्र में दुनिया के सामने एक मजबूत, नवोन्मेषी और व्यावसायिक रूप से व्यवहार्य मॉडल पेश कर सकता है।'' प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि अंतरिक्ष क्षेत्र में काम कर रही कंपनियां अपने प्रौद्योगिकी का नए क्षेत्रों में इस्तेमाल पर विचार करें और इससे लोगों का जीवन आसान बनाने के तौर-तरीकों पर गौर करें। उन्होंने कहा, अंतरिक्ष मलबा हटाने के काम में जुटी कंपनियां पर्यावरण संगठनों के साथ मिलकर अपनी प्रौद्योगिकियों का विस्तार कर सकती हैं। इसी तरह, कृषि क्षेत्र में सक्रिय अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी कंपनियां कृषि विश्वविद्यालयों और विभागों के साथ मिलकर किसानों को बेहतर निर्णय लेने और उत्पादन बढ़ाने में मदद कर सकती हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि अंतरिक्ष स्टार्टअप फर्मों ने अपने कामकाज के बारे में सार्थक प्रस्तुतियां दीं और उद्योग के विकास के लिए सरकार के अंतरिक्ष क्षेत्र में किए गए सुधारों तथा उनसे पैदा हुए अवसरों की सराहना की।

| | |
|---|---|
| सूर्यास्त 22-07-2026 | सूर्योदय 23-08-2026 |
| 6:27 बजे | 5:59 बजे |

| BSE | NSE |
|---|---|
| 77,540.83 | 24,252.00 |
| (+3.11) | (+20.16) |

| सोना | चांदी |
|---|---|
| 16,528 रु. | 265,000 रु. |
| (24 कैरेट) प्रति ग्राम | प्रति किलो |

## मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

### अजीब दौर

कविताएं चुरा रहे कविगण,
लिखने वाले मुँह ताक रहे।
वोटर को फँसा रहे दल्ले,
जन सेवक बगलें झाँक रहे।
झूठों के हैं बाजार गर्म,
सच्चे पत उँची टाँक रहे।
खबरों वाले बेखबर हुए,
नेता ही सच को ढाँक रहे।।

# भारतीय बौद्धिक संपदा वाले मोबाइल फोन 10-14 महीने में बाजार में आने की उम्मीद : वैष्णव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को कहा कि भारतीय कंपनियों के बौद्धिक संपदा अधिकार वाले और देश में डिजाइन किए गए मोबाइल फोन अगले 10-14 महीने के भीतर बाजार में आने की उम्मीद है। ये फोन 62,500 करोड़ रुपये की 'मोबाइल फोन विनिर्माण योजना' (एमपीएमएस) के तहत पेश किए जाएंगे। वैष्णव ने एमपीएमएस की अधिसूचना जारी किए जाने के मौके पर कहा कि इस योजना के तहत आवेदन करने वाली कंपनियों को यह साबित करना होगा कि मोबाइल फोन के विनिर्माण में इस्तेमाल होने वाले डिजाइन के बौद्धिक संपदा अधिकार उनके पास हैं।

उन्होंने कहा, ''भारतीय ब्रांड विकसित करने के लिए लक्षित क्षेत्र में हम इस बात को लेकर बहुत स्पष्ट हैं कि डिजाइन आपका अपना होना चाहिए। यह किसी अन्य उत्पाद की नकल नहीं हो सकता। उन्हें अपना डिजाइन तैयार करना होगा और साबित करना होगा कि उसका बौद्धिक संपदा अधिकार उनका अपना है।'' वैष्णव ने कहा कि सरकार भारतीय ब्रांडों के डिजाइन के मूल्यांकन में किसी तरह की नरमी नहीं बरतेगी। उन्होंने कहा कि तीन कंपनियों को डिजाइन के विकल्प पेश करने को कहा गया है और उनके डिजाइन अपने क्षेत्र के सर्वश्रेष्ठ उत्पादों के स्तर के होने चाहिए।

उन्होंने कहा, ''हमें तीन ऐसी कंपनियां दिख रही हैं, जिनमें अब से करीब 10-14 महीने में इस क्षेत्र में आने की क्षमता है।'' फिलहाल कोई भी मोबाइल फोन पूरी तरह भारत में डिजाइन नहीं किया जाता है। घरेलू ब्रांड लावा इंटरनेशनल और एआई प्लस का दावा है कि वे अपने स्मार्टफोन को स्थानीय स्तर पर ही डिजाइन करते हैं।

एमपीएमएस को दो हिस्सों में बांटा गया है। इनमें मोबाइल फोन विनिर्माण को बढ़ावा देने वाला लक्षित खंड-1 (टीएस1) और भारतीय मोबाइल फोन ब्रांडों को समर्थन देने वाला लक्षित खंड-2 (टीएस2) शामिल हैं। टीएस1 के तहत अनुबंध पर इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण कंपनियों समेत पिछले वित्त वर्ष में 10,000 करोड़ रुपये का कारोबार करने वाली मोबाइल फोन कंपनियां योजना का लाभ लेने के लिए पात्र होंगी। टीएस2 के तहत आवेदन करने वाली कंपनियों में 51 प्रतिशत भारतीय स्वामित्व और वित्त वर्ष 2025-26 में कम-से-कम 1,000 करोड़ रुपये का कारोबार होना जरूरी है। वैष्णव ने कहा कि भारत में पहले मोबाइल फोन विनिर्माण का परिवेश था, लेकिन कर-संबंधी मुद्दों और चीनी कंपनियों से प्रतिस्पर्धा के कारण भारतीय कंपनियों के लिए बाजार में टिक पाना मुश्किल हो गया। उन्होंने कहा कि अब विनिर्माण का परिवेश फिर से स्थापित हो गया है और भारतीय ब्रांड विकसित करने पर ध्यान देने का समय है।

## सहायता

उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले में भूस्खलन और एनएच-9 पुल ढहने के बाद कुलागाड़ के पास प्रभावित क्षेत्र को पार करते हुए कैलाश मानसरोवर यात्रा से लौट रहे श्रद्धालुओं के नौवें जत्थे की सहायता करते भारतीय सेना के जवान।

# बेटे को आत्महत्या करने से रोकने की कोशिश में माता-पिता भी नीचे गिरे, तीनों लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नया मोबाइल फोन लेने की मांग को लेकर माता-पिता से हुए विवाद के बाद नाराज होकर चढ़ गया पहाड़ी पर, माता-पिता वापस लाने चोटी तक गए**

**छत्रपति संभाजीनगर/भाषा।** महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में शुक्रवार अपराह्न मोबाइल फोन को लेकर घरेलू विवाद के बाद पहाड़ी से गिरकर एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि घटना अपराह्न में वालुज एमआईडीसी थाना क्षेत्र के तिसगांव इलाके में हुई।

उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान शहर के झाल्टा फाटा इलाके के निवासी मुरलीधर चांदगुड़े (48), उनकी पत्नी संगीता और उनके 19-वर्षीय बेटे कुणाल के रूप में हुई है।

अधिकारियों के अनुसार, घटनाक्रम की शुरुआत पूर्वाह्न करीब 10 बजे उस समय हुई, जब कुणाल नया मोबाइल फोन लेने की अपनी मांग को लेकर माता-पिता से हुए विवाद के बाद नाराज होकर पहाड़ी पर चढ़ गया।

उन्होंने बताया कि बेटे की सुरक्षा को लेकर चिंतित मुरलीधर और संगीता उसे समझाने एवं घर वापस लाने के लिए पहाड़ी की चोटी तक उसके पीछे गए। अधिकारियों ने बताया कि विवाद का पता चलने के बाद स्थानीय ग्रामीण, पुलिसकर्मी और अग्निशमन के अधिकारी बचाव अभियान में मदद के लिए मौके पर जमा हो गए। अग्निशमन सेवा के कर्मचारियों ने पहाड़ी के नीचे एक सुरक्षा जाल बिछाने की कोशिश की, लेकिन कुणाल चट्टान के किनारे अपनी जगह बदलता रहा, जिससे सुरक्षाकर्मियों की कोशिशें नाकाम हो गईं।

उन्होंने बताया कि अपराह्न करीब एक बजे जब मुरलीधर अपने बेटे को समझाने के लिए उसके करीब पहुंच गए, तब कुणाल पहाड़ी से कूद गया। अधिकारी ने बताया कि मुरलीधर ने उसे बचाने की कोशिश की, जिससे दोनों का संतुलन बिगड़ गया और वे पहाड़ी की चोटी से नीचे गिर गए।

उन्होंने बताया कि अपने पति और बेटे को मौत के करीब जाते देख संगीता ने भी कुछ ही पल बाद पहाड़ी से छलांग लगा दी। अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने तीनों शव बरामद कर लिये और उन्हें पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

# “पंजाब बंद’ का व्यापक असर, कई जगह बाजार बंद और यातायात प्रभावित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**पटियाला/फिरोजपुर/भाषा।** ‘बंदी सिंहों’ की रिहाई की मांग को लेकर कौमी इंसाफ मोर्चा के ‘पंजाब बंद’ के आह्वान का शुक्रवार को व्यापक असर देखने को मिला। राज्य में कई जगहों पर दुकानें और बाजार बंद रहे, जबकि राजमार्गों पर यातायात प्रभावित हुआ। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए अमृतसर, लुधियाना, मोहाली और जालंधर समेत पंजाब के कई शहरों में बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया। बंद का आह्वान सुबह सात बजे से दोपहर दो बजे तक के लिए किया गया था। ‘बंदी सिंह’ से आशय उन सिख कैदियों से है, जिन्हें 1990 के दशक में पंजाब में आतंकवाद के दौर में हिंसक गतिविधियों में शामिल होने के लिए दोषी ठहराया गया था। पटियाला, मोहाली और जालंधर समेत कई जगहों पर कौमी इंसाफ मोर्चा और विभिन्न किसान संगठनों के समर्थकों ने सड़कों को अवरुद्ध कर दिया, जिससे कार्यालय जाने वाले लोगों और अन्य यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ा।

प्रदर्शनकारियों ने राज्य और राष्ट्रीय राजमार्गों समेत कई सड़कों पर ट्रैक्टर-ट्रॉलियां और अन्य वाहन खड़े कर मार्ग अवरुद्ध कर दिए। कुछ जगहों पर यात्री प्रदर्शनकारियों से उन्हें उनके गंतव्य तक जाने देने का अनुरोध करते नजर आए।

मोर्चा नेताओं ने कहा कि चिकित्सकीय आपात स्थिति, हवाई अड्डे की यात्रा, परीक्षाओं और विवाह समारोहों जैसी आवश्यक सेवाओं को बंद से छूट दी गई थी। प्रदर्शनकारियों ने ‘बंदी सिंहों’ की रिहाई नहीं होने के विरोध में जालंधर, लाढोवाल (लुधियाना), होशियारपुर और फिरोजपुर में धरना दिया। उन्होंने शहरों में दोपहिया वाहनों से मार्च भी निकाला।

पटियाला बस अड्डा शहर के प्रमुख परिवहन केंद्रों में से एक है और वहां रास्ता अवरुद्ध किए जाने से शहर के यातायात पर सीधा असर पड़ा। फिरोजपुर में शहर और छावनी क्षेत्र के प्रमुख व्यावसायिक इलाकों में दुकानें बंद रहीं। व्यापारियों ने बंद का स्वेच्छा से समर्थन किया। सुबह बैंक सहित कुछ प्रतिष्ठान खुले, लेकिन प्रदर्शनकारियों के वहां पहुंचने के बाद उन्हें बंद कर दिया गया। प्रदर्शनकारियों ने जीरा और लुधियाना की ओर जाने वाले शहर के प्रमुख निकास मार्ग चुंगी नंबर सात’ को भी अवरुद्ध कर दिया, जिससे यातायात प्रभावित हुआ।

# अगला विधानसभा चुनाव नहीं लड़ूंगा, मेरे समर्थक भी यही चाहते हैं : हरीश रावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हरीश रावत ने अपने विधानसभा चुनाव लड़ने की संभावना को खारिज करते हुए कहा है कि उनके समर्थक भी नहीं चाहते हैं कि वह अब चुनावी मैदान में उतरें, लेकिन इसके अलावा पार्टी जो भूमिका देगी, उसे वह पूरी शिद्दत से निभाएंगे। उन्होंने मुख्यमंत्री पद की दावेदारी को लेकर कहा कि उत्तराखंड के आगामी विधानसभा चुनाव में पार्टी की जीत की स्थिति में पद को लेकर आलाकमान जो भी फैसला करेगा, उसे प्रदेश कांग्रेस हमेशा की तरह स्वीकार करेगी। उत्तराखंड में अगले साल की शुरुआत में विधानसभा चुनाव संभावित हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री रावत ने बृहस्पतिवार को ‘पीटीआई-भाषा’ के साथ बातचीत में कहा कि उत्तराखंड इस बार बदलाव करने जा रहा है और कांग्रेस की जीत होगी। अगला विधानसभा चुनाव लड़ने की संभावना के बारे में पूछे जाने पर रावत ने कहा कि वह 2022 में भी चुनाव नहीं लड़ना चाहते थे, लेकिन परिस्थितियां ऐसी बनीं कि उन्हें चुनाव लड़ना पड़ा। उन्होंने कहा, ‘‘लेकिन अब आगे नहीं। मेरे सहयोगी भी नहीं चाहते कि मैं चुनाव लड़ूं।’’ मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित कर चुनाव लड़ने के सवाल पर रावत ने कहा कि राज्य में ‘‘पंचमुखी नेतृत्व’’ है और इसे तय करना पार्टी का काम है। उन्होंने कहा कि प्रदेश प्रभारी को भी इस संबंध में निर्णय लेना है। मुख्यमंत्री पद की दौड़ में खुद के शामिल होने के सवाल पर रावत ने कहा कि पार्टी आलाकमान के फैसले को उत्तराखंड कांग्रेस ने हमेशा माना है, इसके इतर कभी कुछ नहीं सोचा है और उसे सोचना भी नहीं चाहिए। उनका कहना था, ‘‘कांग्रेस मजबूती से खड़ी है और आगामी चुनाव में पार्टी जीत हासिल करेगी। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड को बदलाव का अवसर मिल रहा है और यह बदलाव पूरे देश में भी दिखाई दे रहा है।’’ संगठन में सब कुछ ठीक नहीं होने संबंधी सवाल पर रावत ने कहा कि ‘‘परिवार में हर व्यक्ति की अपनी भूमिका होती है और जब चुनौतियां आती हैं तो सभी एकजुट होकर उनका सामना करते हैं। पार्टी में अपनी उपेक्षा किए जाने की बात से इनकार करते हुए रावत ने कहा, मैं 78 साल का हूं। पार्टी के लिए पहले भी उपलब्ध रहा हूं और आगे भी रहूंगा।’’

उन्होंने कहा, ‘‘मैं नाराज नहीं हूं...मैं 58 साल से कांग्रेस में हूं। जिस लकीर पर रहे हैं, उसी पर ही रहेंगे। हां, उम्र के साथ भूमिकाएं बदलती रही हैं।’’ यह पूछे जाने पर कि आगे उनकी इस चुनाव में क्या भूमिका होगी, रावत ने कहा कि यह पार्टी तय करेगी और उन्हें जो भी जिम्मेदारी दी जाएगी, वह उसके लिए तैयार हैं। कांग्रेस कार्य समिति के सदस्य ने ‘वंदे मातरम’ से जुड़े विवाद पर कहा कि 1937 में महान स्वतंत्रता सेनानियों को मौजूदगी वाली कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) ने जो फैसला किया, उसे आज की सीडब्ल्यूसी नहीं बदल सकती। उन्होंने कहा कि राष्ट्रवाद और देश की आजादी की लड़ाई से भाजपा का कोई तारतम्य नहीं है, जबकि कांग्रेस का है तथा उसके हर कार्यक्रम में ‘वंदे मातरम’ गाया जाता है। राम मंदिर से चढ़ावे की कथित चोरी पर रावत ने कहा कि यह चंदे और चढ़ावे की लूट है और कांग्रेस इस मामले को घर-घर तक ले जाएगी।

# शादी के जोड़े में ही दुल्हन ने की बीमार पड़े कैटरिंग कर्मचारियों की मदद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**कन्नूर/भाषा।** केरल में एक नवविवाहित डॉक्टर ने अपनी शादी के जश्न को बीच में रोककर समारोह में बीमार पड़ीं भोजन व्यवस्था संभालने वाले दल (कैटरिंग कर्मचारी) की दो महिला सदस्यों को प्राथमिक उपचार दिया। इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहा है। कन्नूर के पानूर की रहने वाली डॉक्टर शिरीन सुबैर का विवाह डॉक्टर रिजाज के साथ हो रहा था, तभी कैटरिंग दल की दो महिलाएं बीमार पड़ गईं। इनमें से एक महिला की नाक से खून बहने लगा, जबकि दूसरी को चक्कर आने की शिकायत हुई। इसके बाद वहां मौजूद किसी व्यक्ति ने शादी के जोड़े में मौजूद शिरीन को मदद के लिए बुलाया। शिरीन ने शुक्रवार को एक टीवी चैनल को बताया, सब जानते थे कि मैं एक डॉक्टर हूं, इसलिए किसी ने मुझे आकर देखने के लिए कहा। जब मैंने स्थिति देखी, तो मैंने वही किया जिसकी उस समय जरूरत थी।

वल्लुवनड अस्पताल में ’इमरजेंसी मेडिसिन’ में प्रथम वर्ष की एमडी (मास्टर ऑफ मेडिसिन - स्नातकोत्तर डिग्री) कर रहीं शिरीन ने बताया कि उन्होंने दोनों महिलाओं को अस्पताल ले जाने से पहले सामान्य प्राथमिक उपचार दिया। इंटरनेट पर वीडियो को बहुत प्रशंसा मिलने के बावजूद डॉक्टर ने कहा कि वह अपने काम को कुछ असाधारण नहीं मानती हैं। शिरीन ने कहा, यह कोई बड़ी बात नहीं है। यह हमारा कर्तव्य था। अगर हम सड़क पर भी किसी को गिरते या बेहोश होते देखते हैं, तो हमारी त्वरित प्रतिक्रिया होती है कि हम तुरंत मदद करें।

# 26/11 हमला : हाफिज सईद को भगोड़ा घोषित कर अनुपस्थिति में मुकदमा चलाने की तैयारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**मुंबई/भाषा।** मुंबई पुलिस ने 26/11 के आतंकवादी हमलों में लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के संस्थापकों हाफिज सईद और जकी-उर-रहमान लखवी सहित छह फरार आरोपियों को अदालत द्वारा भगोड़ा घोषित करने का आदेश ’इंटरपोल’ के जरिए तामील कराने के लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय से संपर्क किया है। इसका उद्देश्य उनकी अनुपस्थिति में उन पर मुकदमा चलाने की प्रक्रिया शुरू करना है। विशेष लोक अभियोजक उज्ज्वल निकम की देखरेख में पुलिस ने शुक्रवार को अदालत में एक अंतरिम रिपोर्ट सौंपी। यह रिपोर्ट फरार आरोपियों पर उनकी अनुपस्थिति में मुकदमा शुरू करने के लिए इसी साल जुलाई में भगोड़ा घोषित करने की प्रक्रिया पर आधारित है।

आतंकवादी मामलों की सुनवाई कर रही विशेष अदालत में निकम ने कहा, हमने पाकिस्तान में रह रहे आरोपियों को भगोड़ा घोषित करने का आदेश ’इंटरपोल’ के माध्यम से तामील कराने के लिए आवश्यक कदम उठाने हेतु केंद्रीय गृह मंत्रालय को पत्र लिखा है। निकम ने कहा, केंद्रीय गृह मंत्रालय ने तीन अगस्त को हमारे अनुरोध को स्वीकार कर लिया था और इस पर की गई कार्रवाई की स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने के लिए कुछ समय मांगा था। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस), 2023 की धारा 356 के तहत उन घोषित अपराधियों के खिलाफ उनकी अनुपस्थिति में पूर्ण आपराधिक सुनवाई चलाने का प्रावधान है, जो मुकदमे से बचने के लिए भगोड़े हैं और जिनकी तत्काल गिरफ्तारी की कोई संभावना नहीं है। 26/11 मामले की सुनवाई कर रही अदालत ने सईद, लखवी और अन्य आरोपियों - साजिद मीर, अबू अलकामा, आसिम उर्फ अबू कहाफा और मेजर अब्दुल रहमान पाशा का भगोड़ा घोषित था। ये सभी पाकिस्तानी नागरिक हैं।

# तिरुपति मंदिर के आसपास जंगलों में वन्यजीवों की निगरानी के लिए रोबोट श्वान तैनात करेगा टीटीडी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**तिरुपति/भाषा।** श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर का प्रबंधन करने वाले ‘तिरुमला तिरुपति देवस्थानम’ (टीटीडी) ने तिरुमला के आसपास के जंगलों में श्रद्धालुओं की सुरक्षा बढ़ाने और वन्यजीवों की गतिविधियों की निगरानी के लिए एक आधुनिक रोबोट श्वान को तैनात करने की योजना बनाई है।

टीटीडी के अतिरिक्त कार्यपालक अधिकारी (एईओ) सीएच वेंकैया चौधरी और मंदिर के अन्य अधिकारियों ने तिरुमला स्थित श्री पद्मावती गेस्ट हाउस में इस चार पैरों वाले रोबोट के प्रदर्शन की समीक्षा की।

मंदिर निकाय द्वारा जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, तिरुमला के आसपास के वन क्षेत्रों में वन्यजीवों की आवाजाही पर नजर रखने और श्रद्धालुओं की सुरक्षा बढ़ाने के लिए टीटीडी इस आधुनिक रोबोटिक तकनीक के उपयोग का मूल्यांकन कर रहा है।

बयान में कहा गया है कि यह रोबोट श्वान ऑप्टिकल और ऊष्मा व तापमान की मदद से अंधेरे में तस्वीरें लेने वाले कैमरों, चारों दिशाओं में देखने में सक्षम 360-डिग्री एलआईडीएआर प्रणाली, कई सेंसरों और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से लैस है।

ये विशेषताएं इसे अंधेरे या कोहरे जैसी कम दृश्यता वाली स्थितियों में भी वन्यजीवों की पहचान करने और उनका पता लगाने में सक्षम बनाती हैं। बयान के मुताबिक, प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में अलिपिरी-तिरुमला पैदल मार्ग से लगे वन क्षेत्र शामिल हैं। वहां तेंदुए और अन्य वन्यजीवों का समय रहते पता चलने से श्रद्धालुओं को सतर्क करने तथा वन, सतर्कता व सुरक्षा टीमों को तुरंत तैनात करने में मदद मिलेगी।

# भाजपा ने पूरे केरलम में ‘वंदे मातरम’ कार्यक्रम आयोजित किए

**तिरुवनंतपुरम/भाषा।** भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शुक्रवार को केरलम के सभी जिला मुख्यालयों में वंदे मातरम’ कार्यक्रम आयोजित किए। इन कार्यक्रमों के जरिए पार्टी ने स्वतंत्रता दिवस समारोह के तहत आयोजित आधिकारिक कार्यक्रमों में राष्ट्रगीत का गायन नहीं किए जाने को लेकर राज्य सरकार के खिलाफ विरोध जताया। तिरुवनंतपुरम में यह कार्यक्रम राज्य सचिवालय के सामने आयोजित किया गया, जिसका उद्घाटन भाजपा के प्रदेश महासचिव एस. सुरेश ने किया। सुरेश ने इस मौके पर सभा को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) और जमात-ए-इस्लामी के दबाव में संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) सरकार ने स्वतंत्रता दिवस पर ‘वंदे मातरम’ का गायन नहीं करने का फैसला किया था। उन्होंने आरोप लगाया, ‘‘आज हम केरलम के हर कोने में राजनीति देख सकते हैं। इसे केरलम विधानसभा में भी देखा जा सकता है। मुख्यमंत्री वी.डी. सतीशन के ठीक दाईं ओर मुस्लिम लीग के नेता पी.के. कुन्हालीकुट्टी बैठे हैं और मुस्लिम लीग वही पार्टी है, जिसका गठन इस देश के विभाजन के लिए किया गया था।’’

# बड़ी कक्षाओं में पहुंचते ही गिर जाता है विद्यार्थियों का मानसिक एवं भावनात्मक स्वास्थ्य

**मुंबई/भाषा।** देश भर में छात्र एवं छात्राओं की खुशहाली और सेहत आठवीं कक्षा के 62 प्रतिशत से घटकर 12वीं कक्षा में 43 प्रतिशत रह जाता है। 11वीं और 12वीं के विद्यार्थियों में चिंता, कम ऊर्जा, निराशा, अकेलापन और उदासी का स्तर सबसे अधिक पाया गया है। ‘स्टूडेंट वेलबीइंग पल्स रिपोर्ट 2026’ में यह जानकारी सामने आई है।

आईसी3 इंस्टीट्यूट की इस रिपोर्ट के अनुसार, विद्यार्थियों की खुशी 65 प्रतिशत से घटकर 48 प्रतिशत, आत्मविश्वास 64 से 47 प्रतिशत और प्रेरणा 64 से 49 प्रतिशत रह जाती है। यह अध्ययन 8,515 विद्यार्थियों की प्रतिक्रियाओं पर आधारित है।

लड़कियों में लड़कों की तुलना में चिंता और कम आत्मविश्वास अधिक पाया गया। लड़कों के 64 प्रतिशत की तुलना में केवल 52 प्रतिशत लड़कियों ने अक्सर या हमेशा आत्मविश्वास महसूस करने की बात कही, जबकि करियर संबंधी चिंता लड़कों के 31 प्रतिशत के मुकाबले लड़कियों में 35 प्रतिशत रही। रिपोर्ट के मुताबिक, मदद मांगने वाले छात्र सबसे अधिक दोस्तों (49 प्रतिशत) और परिवार (44 प्रतिशत) का सहारा लेते हैं जबकि केवल छह प्रतिशत छात्र स्कूल के औपचारिक परामर्शदाताओं से संपर्क करते हैं, हालांकि 52 प्रतिशत छात्रों का मानना है कि थेरेपी या परामर्श मददगार होगा। वहीं, केवल 52 प्रतिशत छात्रों ने व्यवस्थित करियर काउंसलिंग मिलने की बात कही, जबकि 33 प्रतिशत को स्पष्ट करियर मार्गदर्शन न मिलने की चिंता है। बिहार में यह चिंता 43 प्रतिशत छात्रों में पाई गई। इसमें कहा गया है कि 55 प्रतिशत छात्र रात में छह घंटे या उससे कम सोते हैं, जिसका प्रमुख कारण पढ़ाई का दबाव, ज्यादा सोचना और स्क्रीन का इस्तेमाल है। रिपोर्ट में कहा गया है कि तनाव कम करने के लिए 69 प्रतिशत छात्र संगीत और 57 प्रतिशत शारीरिक गतिविधि का सहारा लेते हैं। आईसी3 के संस्थापक गणेश कोहली ने कहा कि उच्च कक्षाओं में पढ़ाई और करियर संबंधी फैसलों का दबाव बढ़ने के साथ छात्रों के कल्याण और सकारात्मक भावनाओं में गिरावट आती है, इसलिए उन्हें शुरुआती स्तर पर ही सही मार्गदर्शन और सहायता उपलब्ध कराना जरूरी है।

# तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को केंद्र से अमेरिका यात्रा की अनुमति नहीं मिली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**हैदराबाद/भाषा।** तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी को केंद्र सरकार से अमेरिका जाने की इजाजत नहीं मिली है। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। रेड्डी वर्तमान में लंदन में हैं तथा यहां से उनकी योजना अमेरिका जाने और 30 अगस्त को हैदराबाद लौटने की योजना थी। सीएमओ की एक विज्ञप्ति में कहा गया, ‘‘मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाले आधिकारिक ‘तेलंगाना-राइजिंग’ प्रतिनिधिमंडल को अमेरिका का दौरा रद्द करना पड़ा क्योंकि विदेश मंत्रालय ने इसकी अनुमति नहीं दी। मंत्रालय ने कहा कि राजनीतिक दृष्टिकोण से इस (अमेरिका) यात्रा की मंजूरी नहीं दी गई है।’’ इसने कहा कि रेड्डी अमेरिका के बोस्टन जाने के बजाय 23 अगस्त को लंदन से हैदराबाद लौटेंगे।

राज्य सरकार ने नीति और प्रोटोकॉल के मुताबिक ब्रिटेन और अमेरिका की यात्रा के लिए केंद्र से अनुमति का अनुरोध किया था लेकिन केवल ब्रिटेन यात्रा की ही मंजूरी मिली। मुख्यमंत्री कार्यालय ने बताया कि आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल के ब्रिटेन पहुंचने के बाद केंद्र ने राज्य सरकार को अनुमति नहीं दिए जाने के बारे में सूचित किया। ‘तेलंगाना राइजिंग’ के राज्य सरकार के दृष्टिकोण, ‘शिक्षा को आगे बढ़ाने और विकसित भारत’ में योगदान देने के उद्देश्य से की जाने वाली यात्रा को ‘‘राजनीतिक कारणों से रोके जाने’’ से मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी हैरान हैं। विज्ञप्ति में कहा गया कि उन्होंने केंद्र सरकार के फैसले का पालन करने का निर्णय लिया और वह अमेरिका के बोस्टन जाने के बजाय लंदन से भारत लौटने के लिए हैदराबाद की उड़ान भरेंगे। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को अमेरिका यात्रा को आगे बढ़ाने और सभी समझौता ज्ञापनों एवं

साझेदारी समझौतों को अंतिम रूप देने का निर्देश दिया है।

रेड्डी ने कहा, ‘‘इस यात्रा का एकमात्र उद्देश्य केंद्र की नई शिक्षा नीति के तहत दुनिया के सर्वश्रेष्ठ शिक्षण संस्थानों को भारत, तेलंगाना और हैदराबाद लाना था। ये संस्थान हमारे युवाओं की उन आकांक्षाओं को पूरा करने में मदद करते, जो दुनिया के बेहतरीन ‘आइवी लीग’ और शीर्ष वैश्विक संस्थानों से शिक्षा, कौशल और प्रशिक्षण हासिल करना चाहते हैं।’’ उन्होंने कहा, ‘‘मेरा हमेशा से मानना रहा है कि जब देश के निर्माण और युवाओं के भविष्य की बात आती है तो हम सभी को राजनीति और चुनाव से ऊपर उठकर सोचना चाहिए।’’ विज्ञप्ति के अनुसार तय कार्यक्रम के मुताबिक मुख्यमंत्री रेड्डी ऑक्सफोर्ड, कैम्ब्रिज, लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, लंदन बिजनेस स्कूल और यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन जैसे संस्थानों का दौरा और वहां बातचीत जारी रखेंगे।

हैदराबाद को वैश्विक ज्ञान केंद्र बनाने का संकल्प जताते हुए तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेड्डी ने कहा कि उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय और अन्य शिक्षण संस्थानों की स्थापना ने हैदराबाद को बेहतरीन मानव संसाधन वाले केंद्र के रूप में विकसित किया है। उन्होंने कहा कि एक अकेले स्कूल ‘हैदराबाद पब्लिक स्कूल’ (एचपीएस) ने यह साबित किया है कि राज्य और देश विश्व का नेतृत्व कर सकते हैं। इस स्कूल ने कई बड़े प्रौद्योगिकी नेताओं को तैयार किया है। उन्होंने कहा कि माइक्रोसॉफ्ट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) सत्या नडेला और विश्व बैंक के अध्यक्ष अजय बंगा सहित कई प्रमुख कंपनियों के सीईओ एचपीएस के पूर्व छात्र रहे हैं। रेड्डी ने कहा कि भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस (आईएसबी), अंतरराष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईआईटी) और नालसार विधि विश्वविद्यालय जैसे संस्थानों की स्थापना से हैदराबाद को बड़ी कंपनियों और उनके ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (जीसीसी) को आकर्षित करने में मदद मिली है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य हैदराबाद को दुनिया के बेहतरीन शिक्षा और कौशल विकास संस्थानों का केंद्र बनाना है ताकि 21वीं सदी की विकास यात्रा को गति दी जा सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उनका संकल्प और प्रयास है कि हैदराबाद को दुनिया के शीर्ष वैश्विक शहरों में शामिल किया जाए, जहां कोई भी आम भारतीय हार्वर्ड, ऑक्सफोर्ड, एमआईटी, एलबीएस या एलएसई जैसे संस्थानों से शिक्षा और प्रमाणपत्र हासिल कर सके।

# मुख्यमंत्री विजय अपनी मेज पर मौजूद भ्रष्टाचार की फाइलों पर कार्रवाई करें : उदयनिधि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**चेन्नई।** तमिलनाडु विधानसभा में विपक्ष के नेता उदयनिधि स्टालिन ने शुक्रवार को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय को चुनौती दी कि वे अपनी मेज पर रखी भ्रष्टाचार की तीनों फाइलों को 'खोलें' और उन पर कार्रवाई करें। विधानसभा में चर्चा की शुरुआत करते हुए उदयनिधि ने याद दिलाया कि मुख्यमंत्री ने तीन फाइलों का जिक्र किया था और कहा था कि वे उन्हें खोलने के लिए सही समय का इंतजार कर रहे हैं।

उदयनिधि ने विजय के उस फैसले पर टिप्पणी करते हुए कहा, मुख्यमंत्री ने हमारी पिछली द्रमुक सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा था कि उन्हें मामले की जानकारी सार्वजनिक करने के लिए मजबूर न किया जाए। मैं आग्रह करता हूं कि वे फाइलें खोलें और कार्रवाई करें। आप जानकारी को सार्वजनिक करने से क्यों डर रहे हैं और देरी क्यों कर रहे हैं? हालांकि, अध्यक्ष जे. सी. डी. प्रभाकर ने

बाद में उदयनिधि की इस टिप्पणी को सदन की कार्यवाही से हटा दिया। सदन के बीच में हस्तक्षेप करते हुए मंत्री एन. आनंद ने कहा कि सरकार के पास इन फाइलों के संबंध में पूरे सबूत मौजूद हैं और उन्होंने आश्वासन दिया कि उचित समय पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

इसी के साथ विधानसभा अध्यक्ष ने उदयनिधि के इस आरोप को खारिज कर दिया कि मुख्यमंत्री फैसले लेने के लिए दूसरों पर निर्भर हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि मुख्यमंत्री पूरी तरह से अपने स्वतंत्र निर्णय, बुद्धि और प्रशासनिक क्षमताओं के आधार पर काम करते हैं। उदयनिधि की यह तीखी प्रतिक्रिया मुख्यमंत्री विजय के 19 अगस्त को विधानसभा में दिए गए उस बयान के बाद आई है, जिसमें उन्होंने विपक्षी द्रमुक को चेतावनी दी थी कि वे पिछली सरकार के भ्रष्टाचार के सबूतों की लगातार मांग न करें, क्योंकि उनके पास पहले से ही तीन सरकारी विभागों की अभियोजन योग्य सामग्री वाली फाइलें मौजूद हैं।

# तमिलनाडु निर्माण सामग्री की आवाजाही पर पाबंदियों से केरलम को छूट देने पर विचार करेगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**तिरुवनंतपुरम/भाषा।** तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने केरलम के अपने समकक्ष वी.डी. सतीशन को भरोसा दिलाया है कि उनकी सरकार धातु समेत अन्य निर्माण सामग्री विभिन्न राज्यों में भेजने पर लगी पाबंदियों से केरलम को छूट देने पर विचार करेगी।

केरलम मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री कार्यालय ने यहां एक बयान में कहा कि सतीशन ने बृहस्पतिवार को महाबलीपुरम में दक्षिणी क्षेत्रीय परिषद (एसजेडसी) की बैठक के दौरान विजय के साथ हुई मुलाकात में यह मुद्दा उठाया था। बयान के अनुसार, सतीशन ने केरलम की खास परिस्थितियों का हवाला देते हुए इन पाबंदियों पर फिर से विचार करने का अनुरोध किया।

बयान के मुताबिक, दोनों मुख्यमंत्री इस मामले पर आगे बातचीत करने और जल्द कोई उचित फैसला लेने पर सहमत हुए। बयान में यह भी कहा गया कि सतीशन ने इससे पहले विजय को पत्र लिखकर केरलम को इन पाबंदियों से छूट देने का अनुरोध किया था।

# तमिलनाडु में पॉक्सो अदालत ने उपदेशक को चार मामलों में मौत की सजा सुनाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**तिरुनेलवेली।** तिरुनेलवेली की एक विशेष पॉक्सो अदालत ने चार नाबालिग लड़कियों का यौन उत्पीड़न करने के जुर्म में 47 वर्षीय उपदेशक को चारों मामलों में फांसी की सजा सुनाई। उपदेशक एस. अब्राहम को तिरुनेलवेली की विशेष यौन अपराध से बच्चों का संरक्षण' (पॉक्सो) अदालत ने सजा सुनाई। आरोपी जिले में गंगाइकोंडन थेवरकुलम के पास मेला इलंथैकुलम में एक ईसाई प्रार्थना सभा संचालित करता था।

अभियोजन पक्ष के अनुसार, पीड़ित लड़कियों की उम्र आठ, 12 और 13 वर्ष थी। आरोपी ने स्कूल की छुट्टियों के दौरान नैतिक शिक्षा और बाइबिल की कक्षाएं आयोजित करने के बहाने उन्हें अपने परिसर में बुलाया। अपराध को अंजाम देने के बाद उसने चारों लड़कियों को धमकी दी कि अगर उन्होंने घटना के बारे में किसी को बताया तो उन्हें गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। बच्चियों के माता-पिता की ओर से तिरुनेलवेली ग्रामीण महिला पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराए जाने के बाद आरोपी को पांच जुलाई, 2022 को गिरफ्तार किया गया।

मामले की सुनवाई बृहस्पतिवार को हुई, जिसके बाद विशेष अदालत के न्यायाधीश के. सुरेश कुमार ने आरोपी को संदेह से परे दोषी'' पाया और चारों मामलों में दोषी को मौत की सजा सुनाई, साथ ही उस पर कुल 52,000 रुपये का जुर्माना लगाया। उन्होंने कहा कि अब्राहम ने उन्हीं बच्चों को अपना शिकार बनाया जिनका मार्गदर्शन करने की जिम्मेदारी उस पर थी और उसने अपने कृत्य पर कोई वास्तविक पश्चाताप नहीं दिखाया। अदालत ने तमिलनाडु सरकार को आदेश दिया कि वह चारों बच्चियों को 10-10 लाख रुपये का मुआवजा दे।

# दिग्गज अभिनेत्री सौकार जानकी का 94 वर्ष की आयु में निधन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**चेन्नई।** भारतीय सिनेमा की वरिष्ठ कलाकारों में से एक दिग्गज अभिनेत्री सौकार जानकी का शुक्रवार को उम्र संबंधी बीमारियों के कारण निधन हो गया। अस्पताल के एक सूत्र ने यह जानकारी दी। सौकार जानकी 94 वर्ष की थीं। उन्होंने अपराह्न एक बजकर 59 मिनट पर अंतिम सांस ली। सौकार जानकी के निधन पर तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी, केंद्रीय कोयला मंत्री जी. किशन रेड्डी, अभिनेता चिरंजीवी, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू, उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण और वाईएसआरसीपी प्रमुख वाई. एस. जगन मोहन रेड्डी समेत कई अन्य नेताओं और फिल्मी हस्तियों ने शोक व्यक्त किया। तेलंगाना के मुख्यमंत्री कार्यालय ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में बताया कि मुख्यमंत्री ने सौकार जानकी की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए उनके परिवार के सदस्यों और प्रशंसकों के प्रति अपनी संवेदना और गहरी सहानुभूति व्यक्त की।

केंद्रीय कोयला मंत्री किशन रेड्डी ने कहा कि जानकी ने अपने शानदार अभिनय के दम पर तेलुगु सिनेमा में अपनी एक अलग पहचान बनाई। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि उन्होंने चार पीढ़ियों तक बड़े पर्दे पर तेलुगु संस्कृति की झलक पेश की। सौकार जानकी के निधन पर दुख

व्यक्त करते हुए चिरंजीवी ने कहा कि फिल्म 'शावुकारु' से शुरू हुआ उनका शानदार फिल्मी सफर करीब सात दशकों तक चला और इस दौरान उन्होंने तेलुगु, तमिल समेत विभिन्न भाषाओं की फिल्मों में काम किया।

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि सौकार जानकी के निधन से उन्हें गहरा सदमा लगा है। नायडू ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''दिग्गज अभिनेत्री और गायिका सौकार जानकी (94) के आकस्मिक निधन से मुझे गहरा सदमा लगा है। चार सौ से अधिक फिल्मों में अभिनय करने और कई पुरस्कार एवं सम्मान हासिल करने वाली सौकार जानकी भले ही शारीरिक रूप से हमारे बीच नहीं रहीं, लेकिन उन्होंने जिन किरदारों को पर्दे पर जीवंत किया, उनके जरिये वह हमेशा हमारे दिलों में अमर रहेंगी।''

पूर्व मुख्यमंत्री एवं वाईएसआरसीपी प्रमुख वाई. एस. जगन मोहन रेड्डी ने अभिनेत्री के निधन को तेलुगु फिल्म उद्योग के लिए अपूरणीय क्षति बताया। वाईएसआरसीपी की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में जगन मोहन ने कहा, सात दशकों से अधिक लंबे शानदार करियर में सौकार (संकरमंची) जानकी ने तेलुगु, तमिल, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं की 400 से अधिक फिल्मों में अभिनय किया और सिनेमा प्रेमियों की कई पीढ़ियों के दिलों पर अमिट छाप छोड़ी।

अभिनेत्री सौकार जानकी का शानदार फिल्मी करियर सात दशकों से अधिक लंबा रहा। अपनी बेहतरीन बहुमुखी प्रतिभा के लिए पहचानी जाने वाली सौकार जानकी ने भारतीय फिल्म उद्योग में सुनहरे दौर की मुख्य अभिनेत्री से लेकर एक सम्मानित वरिष्ठ कलाकार तक का लंबा सफर तय किया। सौकार जानकी का जन्म शंकरमंची जानकी के रूप में हुआ था। उनकी शादी शंकरमंची श्रीनिवास राव से हुई थी। उनके परिवार में तीन बच्चे, चार पोते-पोतियां और चार परपोते-परपोतियां हैं। उन्होंने सात दशकों से अधिक लंबे करियर में तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं की 400 से अधिक फिल्मों में अभिनय किया। भारतीय कला और सिनेमा में उनके उल्लेखनीय तथा आजीवन योगदान के सम्मान में भारत सरकार ने उन्हें 2022 में पद्मश्री से सम्मानित किया था।

वह 1950 से 2023 तक सिनेमा में सक्रिय रहीं और कई पीढ़ियों के साथ काम किया। उन्होंने एन.टी. रामाराव, शिवाजी गणेशन, एम.जी. रामचंद्रन, जेमिनी गणेशन और राजकुमार जैसे दिग्गज कलाकारों के साथ अपनी दमदार स्क्रीन मौजूदगी दर्ज कराई। उम्र बढ़ने के साथ उन्होंने खुद को एक लोकप्रिय दादी और परिवार की मुखिया के किरदारों में भी सफलतापूर्वक ढाला। उन्हें 1950 की तेलुगु फिल्म 'शावुकारु' से बड़ी पहचान मिली, जिसके बाद उनके नाम के साथ 'सौकार' जुड़ गया। वर्ष 1959 में आई उनकी फिल्म 'भागा पिरिविनई' भी उनके करियर की एक महत्वपूर्ण फिल्म थी। इसमें उन्होंने शिवाजी गणेशन के साथ अभिनय किया था। सौकार जानकी के निधन के बाद उनके पार्थिव शरीर को यहां तेनामपेट स्थित सेंथाफ रोड पर अंतिम दर्शन के लिए रखा गया है, जहां उनके रिश्तेदार, मित्र और आम लोग उन्हें श्रद्धांजलि दे सकते हैं।

# ईरोड में 3.6 किलोग्राम गांजा बरामद, दो लोग गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**ईरोड।** तमिलनाडु के ईरोड में दो व्यक्तियों को अपने परिसर में 3.6 किलोग्राम गांजा रखने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, मणिक्कम्पलायम इलाके में बृहस्पतिवार को गश्त के दौरान नंदा मुकेश (23) और अरुणकुमार (24) को संदिग्ध तरीके से घूमते देखा गया। उसने बताया कि पूछताछ के दौरान दोनों ने दुकानों और लोगों को गांजा बेचने की बात स्वीकार की।

पुलिस ने दोनों के परिसर की तलाशी ली और 3.6 किलोग्राम गांजा, करीब चार लाख रुपये नकद तथा दो मोबाइल फोन जब्त किए। पुलिस ने बताया कि दोनों के खिलाफ मादक पदार्थ अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है।

# एआरसी की पर्सनलाइज़्ड कैंसर स्क्रीनिंग पहल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**बेंगलूरु।** एआरसी कैंसर हॉस्पिटल ने 40 साल से अधिक उम्र के लोगों के लिए 'पर्सनलाइज़्ड कैंसर स्क्रीनिंग' पहल की शुरुआत की है। 'कैंसर के डर से आज़ादी' थीम पर आधारित इस मुहिम का उद्देश्य प्रिवेंटिव ऑन्कोलॉजी को सुलभ बनाना और शुरुआती चरण में ही बीमारी की पहचान करना है।

इस प्रोग्राम के तहत उम्र, मेडिकल हिस्ट्री और लाइफस्टाइल के आधार पर जोखिम का आंकलन किया जाएगा। पैकेज में ऑन्कोलॉजी कंसल्टेशन, ब्लड टेस्ट, इमेजिंग और मैमोग्राफी (महिलाओं के लिए) जैसी जांचें शामिल हैं।

इसके अलावा, उच्च जोखिम वाले परिवारों के लिए जेनेटिक काउंसलिंग व टेस्टिंग और एचपीवी टीकाकरण पर भी जोर दिया गया है। अस्पताल के मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. श्रीहरि आर. शापुर और चेयरमैन डॉ. दिनेश माविनाहल्ली ने कहा कि स्वस्थ लाइफस्टाइल के साथ-साथ नियमित स्क्रीनिंग बेहद जरूरी है, ताकि लक्षण दिखने से पहले ही कैंसर का पता लगाकर आसान इलाज किया जा सके।

## बेंगलूरु-होसुर मार्ग पर कार से मिले नौ करोड़ रु. जब्त, एक व्यक्ति गिरफ्तार

**बेंगलूरु।** कर्नाटक की बेंगलूरु शहर पुलिस ने आयकर विभाग के अधिकारियों के साथ संयुक्त अभियान में एक कार से नौ करोड़ रुपये की नकदी जब्त की। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह नकदी कार के जरिये बेंगलूरु से तमिलनाडु के होसुर ले जाई जा रही थी। पुलिस के अनुसार, मामले के सिलसिले में सचिन (42) नाम के व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है।

पुलिस ने बताया कि आयकर विभाग के अधिकारियों से मिली सूचना के आधार पर इलेक्ट्रॉनिक सिटी डिवीजन की पुलिस टीम ने 18 अगस्त को यह कार्रवाई की। पुलिस के मुताबिक, केरलम के पंजीकरण संख्या वाली एक कार बेंगलूरु से तमिलनाडु के होसुर की ओर जा रही थी और उसमें अवैध रूप से नकदी ले जाई जा रही थी।

# किओ लॉन्च से कर्नाटक के हर सरकारी स्कूल में एआई कंप्यूटिंग पहुंचेगी : शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**बेंगलूरु।** कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने शुक्रवार को किओ (केईओ) लॉन्च किया। यह कियोनिक्स द्वारा बनाया गया एआई इनेबल्ड कंप्यूटिंग डिवाइस है। इसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तक सबकी पहुँच बनाने और राज्य के हर सरकारी स्कूल के छात्र को नई टेक्नोलॉजी के साथ सीखने और कुछ नया बनाने का मौका देने की दिशा में एक कदम बताया गया।

शिवकुमार ने कहा कि यह लॉन्च सिर्फ़ एक नया डिवाइस लाने के बारे में नहीं है, बल्कि कर्नाटक भर में ग्रामीण इलाकों से लेकर शहरी केंद्रों तक बच्चों के लिए टेक्नोलॉजी और -ख को सुलभ बनाने के एक बड़े विज़न को साकार करने के बारे में है।

उन्होंने कहा, ''हम सिर्फ़ एक डिवाइस लॉन्च नहीं कर रहे हैं। हम एक सपना लॉन्च कर रहे हैं - वह सपना कि कर्नाटक का हर बच्चा, चाहे वह गाँव में हो या शहर में, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के भविष्य को सीख सके, बना सके और उसे आकार दे सके।'' सरकार शुरू में सरकारी स्कूलों में 1,000 किओ एआई पीसी लगाएगी। इसका मकसद आखिरकार इस टेक्नोलॉजी को कर्नाटक के हर सरकारी स्कूल तक पहुँचाना है, खासकर ग्रामीण इलाकों के स्कूलों तक। शिवकुमार ने कहा, ''यह

कोई पायलट प्रोजेक्ट नहीं है। यह एक कमिटमेंट है। यह एक वादा है। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि किसी बच्चे की टेक्नोलॉजी और अवसरों तक पहुँच उसकी भौगोलिक स्थिति से तय नहीं होनी चाहिए।'' किओ, कियोनिक्स के उस बदलाव को दिखाता है जिसमें वह टेक्नोलॉजी प्रोजेक्ट्स में मदद करने से आगे बढ़कर ऐसे समाधान विकसित कर रहा है जिनका व्यापक सामाजिक प्रभाव हो। उन्होंने कहा कि यह डिवाइस छात्रों को कोडिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग और इलेक्ट्रॉनिक्स सीखने में मदद कर सकता है, साथ ही शिक्षकों को -एआई-आधारित इंटरैक्टिव लर्निंग टूल्स का इस्तेमाल करने में भी सक्षम बना सकता है। इस मौके पर मंत्री केएच मुनियप्पा, ईश्वर खंड्रे, प्रियंक खरगे, केओनिक्स चेयरमैन विधायक- शरत बच्चेगौड़ा, आईटीबीटी डिपार्टमेंट की प्रिंसिपल सेक्रेटरी मंजुला, एंटरप्रेन्योर कृष गोपालकृष्णा, प्रशांत प्रकाश आदि गणमान्य मंच पर उपस्थित थे।

**उद्घाटन** दक्षिण भारत राष्ट्रमत

शुक्रवार को विधान सौधा के दूसरे माले स्थित कमरा नंबर 204 पर मीडिया सेक्रेटरी ऑफिस का उद्घाटन मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने रिबन कट कर किया। इस मौके पर परिषद के सदस्य बालकिस बानू, बसनगौड़ा बदरली, श्रीनिवास, सीएम मीडिया सेक्रेटरी पी त्यागराज, आर जयप्रकाश मौजूद थे।

# कृषवी समूह बेंगलूरु में तीन आवासीय परियोजनाओं में 760 करोड़ का निवेश करेगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**बेंगलूरु।** यहां स्थित अग्रणी बुटीक रियल एस्टेट डेवलपर कृषवी ग्रुप, अपने अब तक के सबसे महत्वपूर्ण पूंजी निवेशों में से एक के तहत, उत्तरी बेंगलूरु के प्रमुख विकास क्षेत्रों में 760 करोड़ रुपये के निवेश के साथ बेंगलूरु में अपने आवासीय पोर्टफोलियो का विस्तार करने के लिए पूरी तरह तैयार है। इन परियोजनाओं से लगभग 1050 करोड़ रुपये का सकल विकास मूल्य प्राप्त होगा और इनमें हेन्नूर और एचबीआर लेआउट में 6.5 एकड़ में फैले लगभग 7 लाख वर्ग फुट के प्रमुख रियल एस्टेट क्षेत्र में प्रीमियम आवासीय परियोजनाएं शामिल होंगी।

कृषवी ग्रुप के निदेशक अरहंथ दिनेश ने कहा, यह विस्तार हमारी रणनीतिक विकास यात्रा में एक मील का पत्थर है, क्योंकि हम बेंगलूरु के विकसित होते रियल एस्टेट परिदृश्य के प्रति अपनी दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को और मजबूत कर रहे हैं। हम हेन्नूर और एचबीआर लेआउट को उत्तरी बेंगलूरु के रियल एस्टेट परिदृश्य को अलग-अलग तरीकों से आकार देते हुए देखते हैं। हेन्नूर एक उभरते हुए लक्जरी कॉरिडोर के रूप में और एचबीआर लेआउट एक सुस्थापित आवासीय केंद्र के रूप में, ये दोनों मिलकर मूल्य वृद्धि की संभावना और जीवनशैली की सुविधा के बीच संतुलन बनाते हैं, जिससे ये ऐसे गंतव्य बन जाते हैं जहां निवेशक वृद्धि पाएंगे और परिवार एक समुदाय की खोज करेंगे।

हेन्नूर परियोजनाएं पूर्ण अधिग्रहण के रूप में निष्पादित की जाएंगी, जबकि प्रीमियम एचबीआर लेकसाइड रेजिडेंस एक संयुक्त विकास परियोजना होगी।

**उत्तर पश्चिम रेलवे**
**ई-निविदा सूचना**
मंडल रेल प्रबंधक, उत्तर पश्चिम रेलवे बीकानेर भारत के राष्ट्रपति की ओर से इच्छुक ठेकेदारों से निम्न लिखित कार्य के लिए दिनांक 09.09.2026 को 15.00 बजे तक खुली ई-निविदा आमंत्रित करते है। **निविदा संख्या:** 141, **कार्य का नाम व स्थान:** सहायक मण्डल इंजीनियर मुख्यालय/बीकानेर के अन्तर्गत मण्डल चिकित्सालय, लालगढ़ में वार्ड और टॉयलेट का नवीनीकरण, मरीजों के लिए वेटिंग हॉल की व्यवस्था और AC, आदि की व्यवस्था से जुड़े सिविल इंजीनियरिंग के काम, **अनुमानित लागत मूल्य:** Rs. 56563899.23, **धरोहर राशि:** Rs. 1131300.00. नोटः अन्य शर्तें रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखी जा सकती है।
1216-PS/26
हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

# राजस्थान के गांव में कॉजपा टीम का विरोध, ग्रामीणों ने खदेड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के एक गांव में उस समय झड़प हो गई जब ग्रामीणों ने कथित तौर पर प्रदेश में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर बैरिकेड लगा दिए और सरकारी स्कूल का निरीक्षण करने पहुंची 'कॉकरोच जनता पार्टी' (कॉजपा) की टीम को मौके से खदेड़ दिया। जयपुर जिले के रामपुरा कंवरपुरा गांव में हुई इस घटना को कॉजपा ने अपनी 'स्कूल ठीक करो' मुहिम के दौरान टीम पर हमला बताया है। पार्टी के सह-संयोजक आशुतोष रांका ने आरोप लगाया कि कार्यकर्ताओं पर पथराव किया गया और राजस्थान पुलिस ने हस्तक्षेप नहीं किया।

रांका ने आरोप लगाया कि कॉजपा टीम के सदस्यों के साथ मारपीट की गई, वाहनों को क्षतिग्रस्त किया गया और महिला समर्थकों के साथ दुर्व्यवहार किया गया। कॉजपा के अभिजीत दीपके ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में आरोप लगाया कि भाजपा के गुंडे आशुतोष (रांका) एवं कॉजपा के अन्य स्वयंसेवकों के पीछे पड़े हैं। उन्होंने सवाल किया कि राजस्थान पुलिस इस तरह के हमले की अनुमति कैसे दे सकती है।

हालांकि, बगरू के पुलिस उपाधीक्षक धर्मेंद्र शर्मा ने कहा कि उन्हें ऐसी किसी घटना की जानकारी नहीं है। घटना के वीडियो में बड़ी संख्या में लोगों को कॉजपा टीम के सदस्यों के साथ तीखी बहस करते, उनलोगों को गांव में प्रवेश करने से रोकते और धक्का-मुक्की करते देखा जा सकता है। कुछ वीडियो में कारों की टूटी हुई खिड़कियां भी नजर आईं, जिनके बारे में माना जा रहा है कि वे कॉजपा टीम की थीं।

रांका ने संवाददाताओं से कहा, आज सारी हदें पार हो गईं। पिछले कई वर्षों से रामपुरा कंवरपुरा का स्कूल एक भैंस के बाड़े में चल रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि निरीक्षण के लिए पहुंचने पर टीम पर खुलेआम हमला किया गया और पथराव भी किया गया तथा कारों की खिड़कियां तोड़ दी गईं। उन्होंने कहा कि टीम के सदस्यों के कपड़े फाड़े गए और स्वयं उनके कपड़े भी फाड़े गए।

स्कूल भवन को 'असुरक्षित' घोषित किए जाने के बाद छात्रों के लिए बंद कर दिया गया है और पास के एक पशु बाड़े में कक्षाएं संचालित की जा रही हैं। हालांकि, ग्रामीणों का दावा है कि सरकार ने मरम्मत कार्य के लिए पहले ही धनराशि मंजूर कर दी है और स्थानीय स्तर पर प्रयास करके मरम्मत कराई जा सकती है।

रांका ने आरोप लगाया कि कॉजपा टीम पर हमला राजस्थान के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के निर्देश पर किया गया। उन्होंने कहा, मदन दिलावर को बच्चों का भैंस के बाड़े में पढ़ना स्वीकार्य है, लेकिन स्कूल की मरम्मत करना स्वीकार्य नहीं है।

रांका ने आरोप लगाया, दिलावरआज आपने गुंडों को भेजकर देश की नजरों में पूरे राजस्थान को शर्मसार किया है। लेकिन हम ऐसी गुंडागर्दी से डरने वालों में से नहीं हैं। उन्होंने कहा, आज पूरे देश ने भाजपा की गुंडागर्दी को प्रत्यक्ष देखा है। राजस्थान में लोकतंत्र के लिए यह काला दिन है।

रांका ने कहा कि उनकी मांगें पूरी करने के लिए 48 घंटे का समय दिया गया है और इस दौरान सभी आरोपियों को गिरफ्तार करने तथा स्कूलों में बाहरी लोगों के प्रवेश पर लगी पाबंदी का आदेश वापस लेने की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसा नहीं होने पर आंदोलन शिक्षा के मुद्दे से आगे बढ़कर मदन दिलावर के खिलाफ भी किया जाएगा। कॉजपा की टीम अपनी चल रही 'स्कूल ठीक करो' मुहिम के तहत सरकारी स्कूलों की स्थिति का निरीक्षण करने तथा छात्रों और शिक्षकों से बातचीत करने गांव पहुंची थी।

रांका ने आरोप लगाया कि पुलिस को इलाके में पथराव की जानकारी थी, लेकिन उसने हस्तक्षेप नहीं किया। उन्होंने कहा, वहां पहले ही पथराव शुरू हो गया था, लेकिन पुलिस ने हाथ खड़े कर दिए और कहा कि वे कुछ नहीं करेंगे तथा यह हमारा आपसी मामला है। रांका ने दावा किया कि कॉजपा के कई स्वयंसेवक घायल हुए हैं, जिनमें एक का हाथ टूट गया। उन्होंने यह भी कहा कि टीम के वाहनों की खिड़कियां तोड़ दी गईं।

उन्होंने आरोप लगाया कि स्वयंसेवकों के हाथ तोड़े गए, वाहन क्षतिग्रस्त किए गए और महिलाओं को भी निशाना बनाकर उनके साथ दुर्व्यवहार किया गया तथा उनके फोन तोड़ दिए गए। रांका ने दावा किया कि टकराव के दौरान उनकी शर्ट भी फाड़ दी गई।

उन्होंने आरोप लगाया, वहां एक भी पुलिसकर्मी मौजूद नहीं था। इसके बजाय भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे।रांका ने कहा कि उन्होंने करीब एक साल पहले भी इस स्कूल का दौरा किया था और तब भी इसकी स्थिति ऐसी ही थी। उन्होंने कहा, आज भी यह भैंस के बाड़े में चल रहा है। हम स्कूल की मरम्मत कराना चाहते हैं, लेकिन आपने गुंडागर्दी का सहारा लिया है। कॉजपा संस्थापक दीपके ने 'एक्स' पर एक अन्य पोस्ट में राजस्थान की स्थिति पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि भाजपा के गुंडे आशुतोष और कॉजपा के अन्य स्वयंसेवकों को निशाना बना रहे हैं।

# सोलहवीं राजस्थान विधानसभा का षष्ठम सत्र अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने सोलहवीं राजस्थान विधान सभा के षष्ठम सत्र को शुक्रवार 21 अगस्त को दोपहर 1:44 बजे अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया है। इससे पहले स्पीकर वासुदेव देवनानी ने शुक्रवार को सदन में स्पष्ट किया कि विधानसभा परिसर में प्रवेश की व्यवस्था निर्धारित है। विधानसभा में प्रवेश की व्यवस्था गेट नम्बर-7 से है जबकि विधायक आवास परिसर में निवास करने वाले सदस्यों के लिए गेट नम्बर-6 से पैदल आने-जाने की भी व्यवस्था है। गेट नम्बर-6 से समूह में प्रवेश की अनुमति न पहले थी, न आज है और न भविष्य में होगी।

देवनानी ने कहा कि गेट नम्बर-6 गुरूवार को खुला हुआ था और शुक्रवार को भी खुला रहा । उन्होंने कहा कि गत बार समूह में आने पर दो व्यक्ति परिसर में आए थे, जिन्हें विधानसभा के सुरक्षा दल ने पहचान कर तत्काल बाहर किया। उन्होंने तत्परता से की गई कार्रवाई के लिए सुरक्षा दल को धन्यवाद भी दिया। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने विधानसभा के गेट पर चढ़कर अंदर आने के प्रयास को अत्यंत पीड़ादायक और गंभीर विषय बताया। विधानसभा की सुरक्षा आवश्यक है। भविष्य में इस प्रकार की घटना की पुनरावृत्ति नहीं होनी चाहिए।

देवनानी ने सदन में स्पष्ट किया है कि विधानसभा की कार्रवाई के दौरान पक्ष और प्रतिपक्ष दोनों को अपनी बात रखने का पूरा अधिकार है। जनहित से जुड़े मुद्दे नियमों और परंपराओं के अनुरूप उठाने की प्रतिपक्ष को अनुमति है। राज्य सरकार द्वारा भी जनहित के विषयों पर समुचित उत्तर सदन में दिया जाना चाहिए।

विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने कहा कि राजस्थान की आठ करोड़ जनता ने अपने प्रतिनिधियों को चुनकर विधानसभा में भेजा है। जनता की समस्याओं और जनहित के मुद्दों को सदस्य सदन में उठाएं। सदन की कार्यवाही सौहार्दपूर्ण भावना के साथ चलनी चाहिए। जनता हम सभी को देख रही है। हम सभी को जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरना है। सदन में व्यवस्था और नियमों का पालन बनाए रखना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। देवनानी ने सभी सदस्यों से अपील की कि आगामी समय में जब भी सदन की कार्यवाही चले तो हम सभी मिलकर एकमत से सदन की गरिमा को बनाये रखे।

# कांग्रेस विधायकों के हंगामे के कारण विधानसभा की कार्यवाही दो बार स्थगित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में कांग्रेस विधायकों ने विधानसभा में नियमित द्वार से प्रवेश नहीं करने देने के मुद्दे पर शुक्रवार को सदन में हंगामा किया, जिसके कारण दो बार कार्यवाही स्थगित की गई। पूर्वाह्न 11 बजे जैसे ही सदन की कार्यवाही शुरू हुई, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने बृहस्पतिवार को हुई इस घटना का मुद्दा उठाया। उन्होंने इसकी जांच करवाने की मांग करते हुए कहा कि विपक्ष जनता के मुद्दों को उठाना चाहता है। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने उन्हें बोलने की अनुमति नहीं दी और कहा कि प्रश्नकाल के बाद इस पर बात होगी। इस बीच कांग्रेस के सदस्य उठकर नारेबाजी करने लगे।

उन्होंने ' सरकार भगोड़ी है' के नारे लगाए तो सत्ता पक्ष की ओर से इस पर विरोध जताया गया और सदन में हंगामा शुरू हो गया। विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने सदस्यों से शांत रहने और कार्यवाही चलने देने की अपील की लेकिन ऐसा न होते देख उन्होंने कार्यवाही 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दी। बारह बजे जब सदन की कार्यवाही पुन: शुरू हुई तो कांग्रेस के विधायकों ने नारेबाजी व हंगामा फिर शुरू कर दिया। अध्यक्ष देवनानी ने सदस्यों से शून्यकाल की कार्यवाही चलने देने की अपील की।

नेता प्रतिपक्ष जूली ने कुछ बोलना चाहा तो देवनानी ने कहा कि वह शून्यकाल के बाद दोनों पक्षों को बोलने का अवसर देंगे। देवनानी ने हंगामे के बीच ही कार्यवाही को आगे बढ़ाने का प्रयास किया लेकिन फिर उन्होंने कार्यवाही एक बजे तक के लिए स्थगित कर दी।

पहली बार लगभग पांच मिनट तो दूसरी बार लगभग 20 मिनट कार्यवाही चली। तीसरी बार कार्यवाही शुरू हुईस तब भी कांग्रेस के विधायकों की नारेबाजी जारी रही। इस बीच सदन में कई विधायी कार्य पूरे किए गए। सरकार ने समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक पेश किया । अध्यक्ष देवनानी ने कांग्रेस के सदस्यों से कई बार सीट पर लौटने और कार्यवाही में भाग लेने की अपील की, लेकिन वे नारेबाजी करते रहे और नेता प्रतिपक्ष जूली ने बहिर्गमन करने की घोषणा की।

विधायी कार्य निपटाए जाने और कांग्रेस के बहिर्गमन के बाद संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि कांग्रेस में आपसी खींचतान है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस विधायकों ने मीडिया के सामने गलत बयानबाजी की। उन्होंने कहा कि राजस्थान की जनता देख रही है। विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने कहा कि विधानसभा का गेट नंबर छह आज भी खुला है और कल भी खुला था।

उन्होंने कहा कि इस मुख्य गेट से सामूहिक रूप से अंदर आने की अनुमति न पहले थी न आगे दी जाएगी। उन्होंने कांग्रेस के कुछ विधायकों के गेट पर चढ़ने से जुड़ी घटना पर अफसोस जताया।

इसके बाद सदन की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई। इसके पहले कांग्रेस के विधायकों ने विधानसभा परिसर में कई मुद्दों को लेकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी और प्रदर्शन किया। कांग्रेस के विधायक बृहस्पतिवार को भी सदन की कार्यवाही में शामिल नहीं हुए थे।

## कलश यात्रा

राजस्थान के जयपुर स्थित बड़ी चौपड़ पर पवित्र श्रावण मास के दौरान 'कलश यात्रा' के दौरान अपनी प्रस्तुति देते कलाकार।

## सवाईमाधोपुर में तेंदुए के हमले में तीन वर्षीय बच्चे की मौत, ग्रामीणों ने वाहन में आग लगाई

जयपुर। राजस्थान के सवाईमाधोपुर जिले में बृहस्पतिवार को तेंदुए के हमले में तीन वर्षीय एक बच्चे की मौत हो गई। वन विभाग के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक, घटना दूमोदा गांव के बैरवा मोहल्ले की है। रणथंभौर बाघ अभयारण्य के उपवन संरक्षक मानस सिंह ने बताया कि दूमोदा गांव निवासी संजय बैरवा का बेटा दिलखुश बैरवा घर के आंगन में खेल रहा था तभी अचानक एक तेंदुआ वहां पहुंचा और बच्चे को दबोचकर जंगल की ओर ले गया। उन्होंने बताया कि घटना के बाद परिजनों और ग्रामीणों ने जंगल में बच्चे की तलाश शुरू की। सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम भी मौके पर पहुंची और ग्रामीणों के साथ मिलकर तलाश अभियान चलाया।

अधिकारी ने बताया कि बच्चा पहाड़ी पर लहूलुहान हालत में मिला। उसे तुरंत जिला अस्पताल ले जाया गया जहां पर चिकित्सकों ने बच्चे को मृत घोषित कर दिया। बच्चे की मौत की खबर सुनकर गुस्साए ग्रामीणों ने फलौदी रेंज कार्यालय पहुंचकर प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने फलौदी रेंज कार्यालय में रखी मोटरसाइकिल को आग लगा दी। घटना के बाद गांव में दहशत फैल गई है। फलोदी वन क्षेत्र में लगातार तेंदुए की मौजूदगी से ग्रामीणों में भय का माहौल है।

# ग्रामीण नहीं चाहते उनके बच्चे असंस्कारी बनें : दिलावर

जयपुर। राजस्थान के जयपुर में कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के स्कूलों का दौरा करने का विरोध किया गया। बगरू इलाके में स्थित रामपुरा-कंवरपुरा गांव के राजकीय प्राथमिक स्कूल में सीजेपी के कार्यकर्ता जैसे ही पहुंचे गांव के लोगों ने कार्यकर्ताओं का विरोध किया और भगा दिया। आरोप है इस दौरान ग्रामीणों ने सीजेपी कार्यकर्ताओं पर हमला भी किया। इसको लेकर शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि ग्रामीण नहीं चाहते असंस्कारी और मर्यादित भाषा उनके बच्चे सीखें, इसलिए विरोध किया है।

सीजेपी टीम पर हुए कथित हमले पर मंत्री मदन दिलावर ने आईएएनएस से कहा, भाजपा हमेशा चाहती है कि राजस्थान के बच्चों को अच्छी शिक्षा मिले, वे सीखें और उन्हें मूल्यों पर आधारित और अच्छी क्वालिटी की शिक्षा मिले। राजस्थान सरकार इसके लिए पूरे मन से काम कर रही है। लेकिन कांग्रेस और सीजेपी को राजस्थान में हो रही यह तरक्की पसंद नहीं आ रही है। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में शिक्षा विभाग लगातार तरक्की क्यों कर रहा है? राजस्थान क्यों आगे बढ़ रहा है? शिक्षा का क्षेत्र लगातार क्यों बेहतर हो रहा है? इसीलिए वे परेशान हैं और हमारे बच्चों को शिक्षित करने और स्कूलों को बेहतर बनाने की हमारी कोशिशों में रुकावट डालना चाहते हैं। दिलावर सिंह ने कहा, राजस्थान में सबसे अधिक अंक लाने वाले सरकारी स्कूलों के विद्यार्थी हैं, इसलिए उन्हें पीड़ा हो रही है। बच्चों को अशिक्षित रखने के लिए व्यवधान पैदा किया जा रहा है, लेकिन राजस्थान की जनता जागरूक है। क्योंकि जंतर-मंतर पर सीजेपी ने गड़बड़ी की थी और अश्लील वातावरण बनाया था। यह सब टीवी पर ग्रामीणों ने देखा है, इसीलिए जागरूक जनता ने व्यवधान करने के लिए आए कॉकरोच पार्टी के लोगों को कौन बर्दाश्त करेगा?

# जब भाजपा के पाप का घड़ा फूटा, तो सत्र छोड़कर भागी भगौड़ी सरकार : जूली

जयपुर/दक्षिण भारत । राजस्थान विधानसभा के मानसून सत्र के दूसरे दिन नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली के नेतृत्व में कांग्रेस विधायक दल के तीखे तेवरों के आगे घुटने टेकते हुए सरकार के अनिश्चितकाल के लिए सदन स्थगित करने पर जूली ने तीखा हमला बोला है। जूली ने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य और बिगड़ती कानून-व्यवस्था पर जवाब देने से बचने के लिए सरकार ने भागने का रास्ता चुना। जनहित के सवालों से घबराकर चर्चा छोड़कर जाना यह साबित करता है कि यह राज्य की 'भगौड़ी सरकार' है, जिसे जनता के मुद्दों से कोई सरोकार नहीं है। इससे पहले विधानसभा परिसर में नेता प्रतिपक्ष के नेतृत्व में कांग्रेस विधायकों ने प्रदेश की बदहाली और प्रशासनिक विफलताओं के खिलाफ 'भाजपा के पापों का घड़ा' भरने का अनूठा प्रदर्शन किया। पर्चियों पर जनसमस्याएं लिखकर घड़े में डाली गईं और लबालब भरते ही जूली ने उसे फोड़कर सरकार की नाकामियों के खिलाफ आर-पार के संग्राम का ऐलान किया।

दो दिन में ही विधानसभा के अनिश्चितकाल के लिए स्थगित होने पर शुक्रवार को जारी बयान में जूली ने कहा कि कांग्रेस के सवालों से घबराकर भागने वाली भाजपा सरकार के पापों का घड़ा भर चुका है। सदन स्थगित कर भागने से सरकार की नाकामियां नहीं छिपेंगी, समय आने पर प्रदेश की जनता इस भगौड़ी सरकार को माकूल जवाब देगी।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि शुक्रवार को सदन की कार्यवाही शुरू होते ही कांग्रेस विधायक दल ने सबसे पहले कल विधानसभा के गेट पर विपक्षी विधायकों को रोके जाने का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि जिस गेट पर कल हमें रोका गया था, आज उसी गेट से हमें विधानसभा में आने दिया गया। सरकार बताए कि कल ऐसा कौन-सा नियम था, जिसके तहत विपक्ष को रोका गया था। सरकार इसका जवाब नहीं दे रही है और न ही देगी, बल्कि जनता को गुमराह करने का काम करेगी।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि सरकार जनता के वास्तविक मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए वंदे मातरम का नया मुद्दा लेकर आई है।

# निकाय चुनाव में जमीनी स्तर पर काम करने वाले को प्राथमिकता देगी भाजपा : राठौड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी की राजस्थान इकाई के अध्यक्ष मदन राठौड़ ने बृहस्पतिवार को कहा कि आगामी नगर निकाय चुनावों में टिकट वितरण के दौरान धरातल पर काम करने वाले, लगातार जनता के बीच रहने वाले, साफ-सुथरी छवि और जीतने की क्षमता रखने वाले कार्यकर्ताओं को प्राथमिकता दी जाएगी। वह यहां आगामी नगर निकाय चुनावों की तैयारियों को लेकर आयोजित पार्टी की बैठक को संबोधित कर रहे थे।

बैठक में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दावा किया कि उनकी सरकार ने 31 महीने में राजस्थान में जितने विकास कार्य किए हैं, उतने कांग्रेस पांच साल के शासन में भी नहीं कर सकी। पार्टी की ओर से जारी बयान के अनुसार, बैठक में आगामी नगर निकाय चुनावों के लिए संगठन की रणनीति, सरकार की उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाने, जमीनी स्तर पर जनसंवाद मजबूत करने और नगर निकायों में भाजपा की जीत सुनिश्चित करने को लेकर चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि पिछले 31 महीने में राजस्थान में सुशासन और विकास के क्षेत्र में हुए

कार्यों से आमजन के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है। भाजपा सरकार ने महिलाओं, गरीबों, युवाओं, किसानों समेत समाज के प्रत्येक वर्ग के हितों को ध्यान में रखते हुए कई महत्वपूर्ण निर्णय किए हैं।

उन्होंने कहा कि सरकार ने इतने कम समय में 35 से अधिक नीतियां लागू की हैं और शासन में पारदर्शिता तथा जवाबदेही को प्राथमिकता दी है। शर्मा ने कहा, राजस्थान की जनता कांग्रेस के पांच साल के शासन से पूरी तरह त्रस्त हो चुकी थी। भाजपा सरकार ने सत्ता में आते ही आमजन को राहत देने और सरकार तथा जनता के बीच सीधा संवाद मजबूत करने का काम किया।

मुख्यमंत्री ने कहा, आज सरकार और जनता के बीच संपर्क पहले से कहीं अधिक मजबूत हुआ है। सरकार आमजन की आवाज सुन रही है और उनकी समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित कर रही है। उन्होंने बैठक में मौजूद नेताओं और कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि अब पूरी ताकत के साथ जनता के बीच जाना है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने 31 महीने में जितने विकास कार्य किए हैं, कांग्रेस पार्टी अपने पांच साल के शासन में भी उतने काम नहीं कर सकी और आगे भी नहीं कर पाएगी। उन्होंने कहा, सरकार की उपलब्धियों को लेकर जनता के बीच जाएं, जनसंवाद करें और लोगों को बताएं कि भाजपा की 'डबल इंजन' सरकार राजस्थान को विकास की नई दिशा दे रही है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

# राम मंदिर परिसर में 70 में से लगभग 60 निर्माण कार्य पूरे : नृपेंद्र मिश्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**अयोध्या/भाषा।** राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने शुक्रवार को कहा कि राम मंदिर परिसर में योजनाबद्ध लगभग 70 निर्माण कार्यों में से करीब 60 कार्य पूरे हो चुके हैं और उन्हें मंदिर ट्रस्ट को सौंप दिया गया है, जो अब उनके रखरखाव की जिम्मेदारी संभालेगा। मंदिर निर्माण समिति की बैठक के दूसरे दिन पत्रकारों से बातचीत में मिश्र ने कहा कि राम मंदिर का निर्माण, करोड़ों भक्तों के सपने का साकार होना है।

उन्होंने कहा, तय किए लगभग 70 निर्माण कार्यों में से करीब 60 कार्य पूरे हो चुके हैं। पूरे हो चुके कार्यों को राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को सौंप दिया गया है, जो अब इनके रखरखाव के लिए जिम्मेदार होगा। बारिश के मौसम में जलभराव की समस्या से निपटने के लिए मंदिर परिसर के सीवेज और ड्रेनेज सिस्टम को मुख्य नाले से जोड़ने का काम भी किया जाएगा। अब संग्रहालय, ऑडिटोरियम और ट्रस्ट कार्यालय के निर्माण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। संग्रहालय की गैलरी नंबर सात पर लगभग पांच करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इसमें आगंतुकों से प्रवेश शुल्क लिया जाएगा या नहीं, इस पर फैसला मंदिर ट्रस्ट करेगा। यह जानकारी उस बयान के एक दिन बाद आई है जिसमें मिश्र ने कहा था कि मुख्य मंदिर परिसर में निर्माण कार्य 30 सितंबर तक पूरा होने की उम्मीद है, जबकि लार्सन एंड टुब्रो (एएलटी) और टाटा के प्रतिनिधि 30 अक्टूबर तक मंदिर परिसर से चले जाएंगे। उन्होंने कहा था कि राजकीय निर्माण निगम द्वारा किया जा रहा ऑडिटोरियम और संग्रहालय का निर्माण कार्य मुख्य मंदिर परिसर में काम पूरा होने के बाद भी जारी रहेगा।

# कल्याण सिंह के प्रति श्रद्धा और सम्मान प्रकट करना हर सनातनधर्मी का दायित्व : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**लखनऊ/भाषा।** उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और राजस्थान के पूर्व राज्यपाल कल्याण सिंह की पांचवीं पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि बाबूजी' ने भारत के सनातन मूल्यों की रक्षा करते हुए अयोध्या धाम में श्री राम मंदिर के निर्माण का मार्ग प्रशस्त किया।

योगी ने कहा कि कल्याण सिंह के प्रति श्रद्धावनत होना, हर सनातन धर्मावलंबी का दायित्व है। यहां आयोजित श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए योगी आदित्यनाथ ने राम जन्मभूमि आंदोलन में कल्याण सिंह की भूमिका का स्मरण करते हुए समाजवादी पार्टी (सपा) के नेतृत्व पर दिवंगत भाजपा नेता का अपमान करने का आरोप लगाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि कल्याण सिंह के जीवन को हिंदू गौरव दिवस' के रूप में मनाया जाना चाहिए। योगी ने कहा, बड़े लोग अपने पदों की वजह से महान नहीं बनते, वे अपने विचारों और कार्यों से महान बनते हैं। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 'बाबूजी' (कल्याण सिंह जी) दबाव में आकर काम करने वाले नहीं थे। योगी ने कहा, वे कहते थे कि 'कल्याण सिंह टूट सकता है, लेकिन झुक नहीं सकता और उन्होंने जीवन भर अपने इस वचन को निभाया।'' योगी ने कहा कि कल्याण सिंह ने आरएसएस के मार्गदर्शन और संतों के समर्थन में विहिप के नेतृत्व वाले आंदोलन का खुलकर समर्थन किया था। योगी ने बताया कि कल्याण सिंह ने अपनी सरकार की कुर्बानी दे दी, लेकिन कहा कि राम भक्तों पर गोली नहीं चलाई जाएगी। समाजवादी पार्टी के पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) नारे का जिक्र करते हुए योगी आदित्यनाथ ने आरोप लगाया कि ये गिरगिट की तरह रंग बदलने वाले लोग हैं...'पी' की परिभाषा पहले 'पिछड़ा' बताया, फिर 'पंडित' कर दिया। किसी दिन 'पी' की परिभाषा 'पाकिस्तान' भी कर देंगे...। कल्याण सिंह के साथ अपने जुड़ाव को याद करते हुए उन्होंने कहा कि वे एक साधारण किसान परिवार से आए थे और उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक, किसान, शिक्षक, विधायक, मंत्री, मुख्यमंत्री, सांसद और राज्यपाल के रूप में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाईं। योगी ने कहा कि जब लोग आज अयोध्या में भव्य राम मंदिर और विराजमान रामलला को देखते हैं, तो कल्याण सिंह की यादें ताजा हो जाती हैं।

मुख्यमंत्री ने कल्याण सिंह के अंतिम संस्कार को लेकर समाजवादी पार्टी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कल्याण सिंह के निधन पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपना कार्यक्रम छोड़कर दिल्ली से लखनऊ पहुंचे और उन्हें श्रद्धांजलि दी। योगी ने कहा कि वह खुद और मंत्रिमंडल के सभी सदस्य लखनऊ से अलीगढ़ और फिर अतरौली तक अंतिम संस्कार में शामिल हुए थे। योगी ने कहा, यह हमारे लिए दुखद था क्योंकि एक बुनियादी शिष्टाचार होता है। मायावती जी खुद पहुंचीं और बाबू जी को श्रद्धांजलि दी, लेकिन समाजवादी पार्टी के प्रमुख श्रद्धांजलि देने खुद नहीं पहुंचे।

# जनगणना कार्य में लगे शिक्षक स्कूल ड्यूटी पर माने जाएंगे, जिम्मेदारी से इनकार नहीं कर सकते : अदालत

**कोलकाता/भाषा।** कलकत्ता उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को कहा कि जनगणना कार्य के लिए प्रतिनियुक्त शिक्षक स्कूल ड्यूटी पर ही माने जाएंगे और वे इस जिम्मेदारी से इनकार नहीं कर सकते।

अदालत ने शिक्षकों को जनसंख्या सर्वेक्षण के काम में लगाए जाने से संबंधित याचिकाओं का निपटारा करते हुए कहा कि अगर जनगणना अभियान के निदेशक और प्रभारी अधिकारी शिक्षकों की सेवाएं लेना चाहते हैं, तो उनके काम की तारीख, समय और स्थान की जानकारी स्कूल के प्रमुख को दी जानी चाहिए। न्यायमूर्ति कृष्ण राव ने कहा कि जनगणना अधिकारियों से ऐसा अनुरोध मिलने पर संस्थान के प्रधान को शिक्षकों को जनगणना कार्य के लिए जाने की अनुमति देनी होगी और साथ ही, उपलब्ध शिक्षकों के जरिए वैकल्पिक व्यवस्था करनी होगी ताकि विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित न हो। अदालत ने कहा कि जनगणना कार्य में लगाए गए शिक्षकों को जनगणना अधिनियम की धारा 15ए के प्रावधानों के तहत स्कूल ड्यूटी पर ही माना जाएगा।

# राजनाथ सिंह ने 'वंदे मातरम' को पूर्ण रूप से गाए जाने का विरोध करने के लिए कांग्रेस पर निशाना साधा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 'वंदे मातरम' को पूर्ण रूप से गाए जाने का विरोध करने के लिए शुक्रवार को कांग्रेस की आलोचना की और इसे असंवैधानिक तथा निंदनीय करार दिया।

कांग्रेस ने बुधवार को कहा था कि वह 'वंदे मातरम' को लेकर 1937 में महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, सरदार वल्लभभाई पटेल और उस समय के अन्य प्रमुख नेताओं द्वारा किए गए फैसले का पूरी तरह पालन करेगी तथा इसी के अनुरूप पार्टी कार्यकर्ता राष्ट्रगीत के सिर्फ दो अंतरे ही गाएंगे। पार्टी की शीर्ष नीति निर्धारक इकाई कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक में इसे लेकर चर्चा हुई थी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने 1937 के सीडब्ल्यूसी के उस प्रस्ताव के कुछ अंश भी पढ़े थे और वंदे मातरम् के दो अंतरों के गायन का निर्णय लिया गया था। सिंह ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, कांग्रेस द्वारा वंदे मातरम् का सम्मान करने से औपचारिक रूप से न केवल इनकार करना, बल्कि सीधे-सीधे विरोध करना, अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और संवैधानिक दृष्टि से बहुत गंभीर विषय है। भारत के संविधान के अनुसार, संसद देश की सर्वोच्च संस्था है और संसद से पारित कोई भी कानून हर व्यक्ति के लिए बाध्यकारी है।

उन्होंने पार्टी के इस फैसले को देश के भविष्य के लिए एक गंभीर चेतावनी का संकेत करार दिया और कहा कि इससे राजनीतिक रूप से गंभीर संकट पैदा हो सकता है। उन्होंने कहा, ''मैं मानता हूं कि कांग्रेस का यह निर्णय पूरी तरह असंवैधानिक और निंदनीय है। साथ ही राजनीतिक दृष्टि से भविष्य में एक गंभीर संकट को पैदा करने वाला है। वंदे मातरम् का विरोध करके कांग्रेस ने अपने नासमझी भरे खतरनाक इरादों को देश के सामने बता दिया है।'' सिंह ने कहा, ''यदि कोई इसे मानने से मना करता है, तो निश्चित रूप से संविधान के प्रति उनकी निष्ठा संदेह के घेरे में आ जाती है और यदि राष्ट्रगीत का सम्मान करने से कोई मना करता है, तो उसकी देशभक्ति पर भी सवालिया निशान लग जाता है।'' उन्होंने कहा, ''कांग्रेस वंदे मातरम् पर 1937 के जिस प्रस्ताव की बात करती है, उसे कांग्रेस ने मुस्लिम लीग की कट्टरपंथी मांगों के आगे नतमस्तक होकर पारित किया था और इसका खामियाजा भविष्य में देश को विभाजन के रूप में देखना पड़ा।'' रक्षा मंत्री ने कहा, ''कट्टरपंथी तत्वों के साथ समझौता करना, हमेशा देश के लिए घातक साबित हुआ है।'' उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस एक बार फिर कट्टरपंथी तत्वों के आगे समर्पण कर रही है।''

# भाजपा ने राहुल गांधी पर 'ओछी राजनीति' करने का आरोप लगाया

**नई दिल्ली/भाषा।** भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शुक्रवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर संसद मार्ग थाना परिसर स्थित पुलिस उपायुक्त कार्यालय के बाहर धरना देकर ''ओछी और अराजक राजनीति'' करने का आरोप लगाया। भाजपा ने आरोप लगाया कि यह 'वंदे मातरम' के मुद्दे पर कांग्रेस के रुख से लोगों का ध्यान भटकाने की कोशिश है। गांधी, 20 जुलाई को छात्रों के विरोध प्रदर्शन के दौरान कथित तौर पर पैलेट गन के छर्रों से घायल हुए युवक के मामले में प्राथमिकी दर्ज करने की मांग करते हुए शुक्रवार को संसद मार्ग थाना परिसर स्थित पुलिस उपायुक्त कार्यालय के बाहर धरने पर बैठ गए। गांधी ने कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन के खिलाफ की गई 'बर्बरता' एक गंभीर अपराध है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे. पी. नड्डा ने कहा कि गांधी का धरना न तो छात्रों के लिए था और न ही न्याय के लिए, बल्कि यह कांग्रेस की ''राजनीतिक हताशा'' को दर्शाता है। उन्होंने कहा, आज पूरे देश ने एक बार फिर राहुल गांधी की ओछी और ध्यान भटकाने वाली राजनीति देखी, जिसका प्रदर्शन उन्होंने संसद मार्ग थाने के बाहर किया। नड्डा ने यहां पत्रकारों से कहा, राहुल गांधी का यह विरोध प्रदर्शन न तो छात्रों के लिए है और न ही न्याय के लिए; यह कांग्रेस पार्टी की राजनीतिक हताशा और फुटेज के लिए राहुल गांधी की भूख है। नड्डा ने गांधी के विरोध प्रदर्शन को 'वंदे मातरम' को लेकर जारी राजनीतिक विवाद से जोड़ते हुए आरोप लगाया कि राष्ट्रगीत के मुद्दे पर कांग्रेस को आलोचना का सामना करना पड़ रहा है और इसी मुद्दे से लोगों का ध्यान भटकाने के लिए गांधी ने धरना दिया।

उन्होंने कहा, ''कांग्रेस के राष्ट्र-विरोधी चेहरे को छिपाने और अपनी किरकिरी से लोगों का ध्यान भटकाने के लिए राहुल गांधी ने जल्दबाजी में यह नाटक किया।''

# 'राष्ट्रवाद पर 'घड़ियाली आंसू बहाने वाले' युवाओं के सबसे बड़े दुश्मन'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बीते 20 जुलाई को छात्रों के प्रदर्शन के दौरान कथित रूप से पैलेट गन चलाए जाने को लेकर शुक्रवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि राष्ट्रवाद पर ''घड़ियाली आंसू बहाने वाले'' लोग वास्तव में देश के युवाओं के सबसे बड़े दुश्मन हैं। उन्होंने दावा भी किया कि गंभीर रूप से घायल साहिल लोचब तथा उनकी मां को प्राथमिकी दर्ज कराने के लिए दिल्ली पुलिस के चक्कर काटने पड़े।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने 20 जुलाई को छात्रों के विरोध प्रदर्शन के दौरान कथित तौर पर पैलेट गन के छर्रों से घायल हुए 19 वर्षीय साहिल लोचब के मामले में प्राथमिकी दर्ज करने की मांग को लेकर शुक्रवार को संसद मार्ग स्थित पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) कार्यालय के बाहर धरना दिया। खरगे ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में आरोप लगाया कि राष्ट्रवाद पर ''घड़ियाली आंसू बहाने वाले'' लोग वास्तव में देश के युवाओं के सबसे बड़े दुश्मन हैं। मानसून सत्र के दौरान 19 दिन तक केंद्रीय गृह मंत्री संसद में नहीं आए और यह नहीं बताया कि छात्रों पर पैलेट गन चलाने का आदेश किसने दिया तथा युवाओं के खिलाफ ऐसी कार्रवाई की जरूरत क्यों पड़ी? कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने इस मामले पर अब तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है और गृह मंत्री जवाबदेही से बचते रहे हैं। उन्होंने कहा, ''साहिल अकेला नहीं है। राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी हर पीड़ित युवा के साथ खड़े हैं। उनकी एफआईआर दर्ज होगी, उनकी आवाज दबने नहीं दी जाएगी और उन्हें न्याय दिलाने की लड़ाई पूरी ताकत से लड़ी जाएगी। छात्रों की गूंज नहीं थमेगी।''

# संभल में शाही जामा मस्जिद के पास 36 मकानों और दुकानों को जारी किया जा रहा नोटिस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**संभल (उप्र)/भाषा।** शाही जामा मस्जिद के आसपास बिना नक्शा पास कराए बनाए गए 36 मकानों और दुकानों को संभल महायोजना 2031 के तहत नोटिस जारी किया जा रहा है। एक प्रशासनिक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

उप जिलाधिकारी (एसडीएम) विकास चंद्र ने पत्रकारों को बताया कि संभल महायोजना 2031 के क्रियान्वयन के सिलसिले में जिलाधिकारी के निर्देश पर एक सप्ताह पहले विवादित स्थल के पीछे के क्षेत्र का निरीक्षण किया गया था। उन्होंने बताया कि बृहस्पतिवार को जूनियर इंजीनियर से दोबारा निरीक्षण कराया गया और इस दौरान 36 ऐसे मकानों व दुकानों के बारे में पता चला जिनका नक्शा स्वीकृत नहीं कराया गया था।

चंद्र ने बताया कि विनियमित क्षेत्र के तहत आने वाली इन संपत्तियों के मालिकों को नोटिस जारी किए जा रहे हैं। एसडीएम ने कहा, सभी को सुनवाई का अवसर दिया जाएगा। जो अपना पक्ष सही तरीके से रख पाएंगे, उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं होगी। जिनके पास नक्शा नहीं होगा, उनके खिलाफ आगे की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि फिलहाल पहले चरण में यह कार्रवाई चौधरी सराय से टंडन चौराहे तक की जा रही है, और आने वाले समय में अन्य स्थानों पर भी कार्रवाई की जाएगी। चंद्र ने बताया निरीक्षण में यह भी पता चला है कि लोगों ने सड़क की जगह घेर ली है और दुकानदारों ने सड़क पर अतिक्रमण कर रखा है।

# पटना में प्रदर्शनकारी छात्रों व नौकरी अभ्यर्थियों से मिले तेजस्वी, राजद की ओर से समर्थन दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**पटना/भाषा।** बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने शुक्रवार को पटना के गर्दनीबाग में धरना दे रहे छात्रों और विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के अभ्यर्थियों से मुलाकात करके उनके आंदोलन को राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की ओर से समर्थन दिया। शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थी, बिहार कर्मचारी चयन आयोग (बीएसएससी) के अभ्यर्थी, पीएचडी धारक और विश्वविद्यालयों के अतिथि शिक्षक गर्दनीबाग में अलग-अलग मांगों को लेकर धरना दे रहे हैं।

यादव ने कहा, हम यहां प्रदर्शन कर रहे सभी छात्रों और नौकरी अभ्यर्थियों के समर्थन में खड़े हैं। हम लगातार सरकार से उनकी मांगें पूरी करने की अपील करते रहे हैं। कुछ दिन पहले भी हम सड़कों पर उतरे थे और जरूरत पड़ी तो फिर उतरेंगे। उन्होंने कहा कि परीक्षाएं पारदर्शी तरीके से कराना, प्रश्नपत्र लीक रोकना, समय पर परीक्षाएं आयोजित करना तथा किसी भी प्रकार की धांधली और गड़बड़ी नहीं होने देना सरकार की जिम्मेदारी है। राजद के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष ने कहा, छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा। हम सभी मिलकर यह लड़ाई लड़ेंगे और इस अक्षम सरकार को हटाएंगे।

# अभिषेक बनर्जी को तीन मामलों में दंडात्मक कार्रवाई से अंतरिम सुरक्षा

**कोलकाता/भाषा।** कलकत्ता उच्च न्यायालय ने तृणमूल कांग्रेस के सांसद अभिषेक बनर्जी को दक्षिण 24 परगना जिले के विभिन्न पुलिस थानों में उनके खिलाफ दर्ज तीन प्राथमिकी के सिलसिले में दंडात्मक कार्रवाई से शुक्रवार को अंतरिम सुरक्षा प्रदान कर दी। बनर्जी ने जुलाई में दक्षिण 24 परगना जिले के बिष्णुपुर थाने में उनके खिलाफ दर्ज दो आपराधिक मामलों और रबींद्रनगर थाने में दर्ज एक आपराधिक मामले को चुनौती देते हुए उच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी। न्यायमूर्ति सौगत भट्टाचार्य ने निर्देश दिया कि याचिका में शामिल तीनों प्राथमिकी के सिलसिले में अभिषेक बनर्जी के खिलाफ 11 सितंबर तक कोई दंडात्मक कार्रवाई न की जाए।

उन्होंने कहा कि चूंकि बनर्जी के खिलाफ लंबित तीन अन्य आपराधिक मुकदमों पर एक अलग याचिका में सवाल उठाए गए हैं और इस अदालत को उस याचिका पर 25 अगस्त को आदेश सुनाना है, इसलिए मौजूदा याचिका पर सुनवाई सात सितंबर तक के लिए टाली जाती है। अदालत ने स्पष्ट किया कि दंडात्मक कार्रवाई से सुरक्षा का आदेश पुलिस अधिकारियों को जांच करने से नहीं रोकेगा।

## दिल्ली पुलिस प्रदर्शन के दौरान छर्रे लगने से युवक के घायल होने के मामले में प्राथमिकी दर्ज करेगी

**नई दिल्ली/भाषा।** राष्ट्रीय राजधानी में 'संसद चलो' मार्च के दौरान 20 जुलाई को पैलेट गन के छर्रे लगने से एक युवक के घायल होने के संबंध में दिल्ली पुलिस प्राथमिकी दर्ज करेगी। एक आधिकारिक सूत्र ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। यह कदम कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा 19 वर्षीय साहिल लोचब के छर्रे लगने से घायल होने के संबंध में प्राथमिकी दर्ज करने की मांग को लेकर संसद मार्ग थाने में धरना देने के बाद उठाया जाएगा। लोचब कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) के नेतृत्व वाले विरोध प्रदर्शन के दौरान कथित तौर पर छर्रे लगने से जख्मी हो गए थे। सूत्र ने कहा, हम मामले में प्राथमिकी दर्ज करेंगे। हमें साहिल लोचब की मां से शिकायत मिली है। गांधी ने दावा किया कि पुलिस अधिकारियों ने उन्हें बताया कि प्राथमिकी दर्ज नहीं की जा सकती, क्योंकि ऊपर से आदेश हैं। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधते हुए कहा कि वह न्याय से डरते हैं। लोचब के साथ गांधी सबसे पहले मंदिर मार्ग थाने गए और प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की। उनकी मांग नहीं माने जाने पर वह संसद मार्ग थाने गए और नई दिल्ली के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) सचिन शर्मा से मुलाकात की। शर्मा के साथ चर्चा विफल होने के बाद, कांग्रेस नेता थाने में धरने पर बैठ गए। थाने में ही डीसीपी का कार्यालय भी है। लोचब और उसकी मां भी वहां थे। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाद्रा और अन्य वरिष्ठ नेता भी धरने में शामिल हुए।

# भर्ती परीक्षा रद्द होने के विरोध में सफल उम्मीदवारों का राज्य सचिवालय के बाहर प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**रांची/भाषा।** झारखंड सरकार द्वारा रद्द की गई भर्ती परीक्षाओं के सफल उम्मीदवारों ने शुक्रवार को राज्य सचिवालय के बाहर प्रदर्शन किया। आदिवासी नायक बिरसा मुंडा और झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के संस्थापक शिबू सोरेन की तस्वीरें और तख्तियां लिए हुए प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों ने ''न्याय दो या फांसी दो'' और ''शर्म करो, शर्म करो'' के नारे लगाए। प्रदर्शनकारियों में झारखंड कर्मचारी चयन आयोग संयुक्त स्नातक स्तरीय परीक्षा (जेएसएससी-सीजीएल) में चयनित उम्मीदवार भी शामिल थे। कल्याण अधिकारी के तौर पर चयनित देवघर निवासी रमेश मंडल ने कहा कि वह 19 अगस्त से प्रदर्शन कर रहे हैं और न्याय मिलने तक आंदोलन जारी रखेंगे।

चंदा कुमारी नामक एक अन्य उम्मीदवार ने कहा, मैं सरकार से अपील करती हूं कि वह जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा रद्द करने का अपना फैसला वापस ले क्योंकि यह निर्णय बिना कोई कारण बताए लिया गया था।

प्रदर्शनकारियों ने कहा कि उन्हें न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है और उन्हें उम्मीद है कि अदालत सभी परीक्षाओं को रद्द करने के सरकार के फैसले पर रोक लगा देगी। उच्च न्यायालय ने बुधवार को 11वीं और 13वीं झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) परीक्षाओं और खाद्य सुरक्षा अधिकारी की नियुक्तियों को रद्द करने वाली अधिसूचना पर रोक लगा दी। हालांकि, इस अंतरिम आदेश में राज्य सरकार द्वारा रद्द की गई सभी 22 परीक्षाएं शामिल नहीं हैं। कथित अनियमितताओं को लेकर लंबे समय से जारी प्रदर्शन के बीच सरकार ने 18 अगस्त को 22 भर्ती परीक्षाएं रद्द कर दीं और 2014 से जेपीएससी, जेएसएससी और आउटसोर्स एजेंसी' टीडीपीएल द्वारा आयोजित 23 अन्य परीक्षाओं की जांच के आदेश दिए।

जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा में चयनित उम्मीदवारों समेत लगभग 2,700 सफल उम्मीदवार इन परीक्षाओं को रद्द किए जाने का विरोध कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं हो कि मेधा के आधार पर चयनित उम्मीदवार इन कथित अनियमितताओं के कारण अपनी नौकरी गंवा दें। इस बीच, अपराध जांच विभाग (सीआईडी) के विशेष जांच दल (एसआईटी) ने जेएसएससी स्नातक स्तरीय संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा 2023 में कथित गड़बड़ियों के सिलसिले में 37 संदिग्धों से पूछताछ की है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता चंपई सोरेन ने इस स्थिति के लिए राज्य सरकार को जिम्मेदार ठहराया है।

उन्होंने कहा, ''अगर सरकार इस मामले को लेकर जरा भी गंभीर होती तो वह इसकी सीबीआई जांच का आदेश देती। झारखंड बने हुए 26 साल हो गए हैं और यह तथाकथित अबुआ' (अपनी) सरकार सात साल से सत्ता में है लेकिन अफसोस की बात है कि आज भी यहां भर्ती की कोई पारदर्शी प्रक्रिया नहीं बन पाई है।''

## सुविचार

हर सुबह नया अवसर लाती है। पुरानी गलतियों से सीखें, नई शुरुआत करें, आत्मविश्वास रखें, दिन सफल बनेगा।

## दक्षिण भारत राष्ट्रमत

# हर काम का सम्मान करें

झारखंड में झामुमो सरकार के लिए आगे कुआं, पीछे खाई जैसी स्थिति पैदा हो गई है। उच्च न्यायालय ने जेपीएससी की 11वीं से 13वीं परीक्षाओं के माध्यम से चयनित सरकारी कर्मियों की नियुक्तियां रद्द करने से संबंधित अधिसूचनाओं के अमल पर रोक लगा दी है। पहले, सरकार ने प्रदर्शनकारियों के दबाव में 44 भर्ती परीक्षाएं रद्द करने की घोषणा की थी। बाद में, जिन लोगों की नौकरियां गईं, वे मैदान में आ डटे। उच्च न्यायालय का क्या फैसला आएगा, किसे राहत मिलेगी, किसकी नौकरी जाएगी, अदालती लड़ाई यहीं तक सीमित रहेगी या उच्चतम न्यायालय में जाएगी – जैसे सवाल अपनी जगह हैं। कई युवा तो ऐसे हैं, जो अन्य विभागों की नौकरी छोड़कर आए थे। वे रातोंरात सड़क पर आ गए हैं। ऐसा पहली बार नहीं हुआ है, न ही आखिरी बार हो रहा है। सरकारी नौकरियों की मांग बढ़ती जा रही है। उनसे जुड़े विवादों में भी बढ़ोतरी हो रही है। कई भर्तियां अटकी पड़ी हैं। कई भर्ती परीक्षाओं के मामले अलग-अलग न्यायालयों में चल रहे हैं। देश के इन युवाओं का कैसा भविष्य होगा? दुनिया के जितने भी विकसित और समृद्ध देश हैं, वहां सरकारी नौकरियों के प्रति ऐसा आकर्षण बिल्कुल भी देखने को नहीं मिलता है। आखिर, हमसे कहां गलती हुई कि रोटी कमाने को ही जीवन का उद्देश्य समझ बैठे हैं? क्या हम सिर्फ रोटी के लिए धरती पर आए हैं? जब अंग्रेजी राज में कथित आधुनिक शिक्षा की शुरुआत हुई थी, तब कहा जाता था कि यह लोगों को जीने का सलीका सिखाएगी। आज पढ़-लिखकर युवा धरने पर बैठ रहा है कि मुझे नौकरी दें। वह नौकरी मांगते हुए कहीं पटरियां उखाड़ता है, कहीं पत्थर फेंकता है, कहीं हंगामा खड़ा करता है।

भारत में बेरोजगारों का सैलाब कहां से आ गया? क्या इस देश में हमेशा ही बेरोजगारी थी? क्या किसी ग्रंथ में उल्लेख मिलता है कि नालंदा, तक्षशिला या अन्य विश्वविद्यालयों में पढ़ने के बाद युवा बेरोजगार घूमते थे और राजा के महल के सामने धरना देते थे कि हमें सरकारी नौकरी दें? हमारे ऋषि-मुनि सच्चे मायनों में मनुष्य बनाते थे। वे जो कुछ पढ़ाते थे, वह जीवन में काम आता था। आज जो बेरोजगारी दिखाई दे रही है, उसकी जड़ें अंग्रेजी राज से जुड़ी हुई हैं। लोगों के दिलो-दिमाग में यह बात घर कर गई कि सरकारी नौकरी ही सबकुछ है। उन्होंने अपने पुश्तैनी काम का सम्मान करना बंद कर दिया। समाज में ऐसी कहावतें जोर-शोर से फैलीं- 'पढ़े फारसी जोते खेत, किस्मत निकली कोरी रेत; पढ़े फारसी बेचे आटा, यह देखो किस्मत का घाटा; पढ़े फारसी बेचे तेल, यह देखो कुदरत का खेल!' क्या पढ़ाई-लिखाई के बाद खेती करना, आटा बेचना या तेल बेचना अपराध है? अगर शिक्षित व्यक्ति ये काम करेगा तो उसमें सफल होने की संभावना ज्यादा होगी। कई लोगों ने ऐसा करके दिखाया है। समाज को यह सोच बदलनी होगी कि पढ़ाई-लिखाई का उद्देश्य 'कुर्सी वाली नौकरी' है। इस सोच ने कई परिवारों के जमे-जमाए धंधे उजाड़ दिए। उनकी संतानें किसी काम में रुचि भी लें तो कहा जाता है- 'बेटा, यह काम तेरे लिए नहीं है। तू तो पढ़ ले।' पढ़ाई का महत्त्व अपनी जगह है। इससे कोई इन्कार नहीं कर सकता। क्या बच्चों को कामकाज में रुचि लेने से रोकना उनकी जिज्ञासा का दमन करना नहीं है? कई लोग कहते हैं- 'हमने अपनी बेटी को इसलिए पढ़ाया है, ताकि उसे चूल्हा-चौकी न करना पड़े!' यह भी 'पढ़े फारसी...' की तरह एक गलत सोच को बढ़ावा देने की कोशिश है। खाना बनाना, कपड़े धोना, घर की सफाई करना, बर्तन साफ करना – जैसे काम सबको जरूर सीखने चाहिएं। जिन्हें ये काम नहीं आते, वे दूसरों पर निर्भर हो जाते हैं और कभी-न-कभी पछताते हैं। हर काम का सम्मान करें। इसी से बेरोजगारी दूर होगी और घरों में खुशहाली आएगी।

## ट्वीटर टॉक

सिलीगुड़ी में मैंने बॉर्डर सिक्योरिटी को लेकर आर्म्ड बॉर्डर फोर्स के जवानों की स्ट्रेटेजी और मॉडर्न टेक्नोलॉजिकल काबिलियत देखी। दोस्त देशों के साथ कल्चरल कोऑर्डिनेशन बनाए रखते हुए, जिस मेहनत और कुशलता से हमारे एसएसबी जवानों ने खुली बॉर्डर को सुरक्षित किया है।

–अमित शाह

सरकार ने स्टूडेंट सेफ्टी के नाम पर ऐसी गाइडलाइंस जारी की हैं, जो न सिर्फ स्कूल कैंपस में एंट्री पर रोक लगाती हैं, बल्कि वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी पर भी बैन लगाती हैं। और तो और, गाइडलाइंस में पालन न करने पर गंभीर कानूनी कार्रवाई का भी प्रावधान है।

–सचिन पायलट

जीवन भर कांग्रेस की विचारधारा को मज़बूत करने वाले सीनियर नेता स्वर्गीय श्री अहमद पटेल की जयंती पर मैं उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि देता हूँ।ङ्गङ्गलोकसभा में एक साथ चझ बनने से लेकर कांग्रेस संगठन में कंधे से कंधा मिलाकर काम करने तक, हमने कई पदों पर एक साथ काम किया।

–अशोक गहलोत

## प्रेरक प्रसंग

### शौर्य की मिसाल

एक महारानी अहिल्याबाई अत्यंत धार्मिक तथा परोपकारी प्रवृत्ति की थीं। एक दिन उन्होंने अपने कोष से तमाम धन पर तुलसी दल चढ़ाया तथा भगवान को समर्पित कर दिया। उन्होंने घोषणा की, 'अब यह तमाम धन गरीबों की सेवा, सहायता तथा धर्म के कार्यों पर खर्च होगा।' राघोबा ने पेशवा गंगाधरराव से सांठगांठ कर अहिल्याबाई से धन की मांग की। रानी ने उत्तर दिया, 'अब यह तमाम धन भगवान को समर्पित किया जा चुका है। इसे किसी को न देकर प्रजा के हित में खर्च किया जाएगा।' इस जवाब से चिढ़कर राघोबा ने इंदौर पर हमला बोल दिया। अहिल्याबाई पांच सौ महिलाओं को सैनिक वेश में साथ लेकर युद्ध क्षेत्र में जा पहुंची। राघोबा तथा उसके सैनिकों ने जब महिलाओं के हाथों में तलवारें देखीं तो उन्हें पसीना आ गया। राघोबा ने घोषणा की, 'जिस राज्य की युवतियों ने चंडी का रूप धारण कर लिया है उनके सामने हम पुरुष शस्त्र नहीं चला पाएंगे।' और राघोबा को अपनी सेना सहित वहां से भागना पड़ा।

## सामयिक

# कश्मीर पर अमेरिकी सुर बदले : भारत का कद बढ़ा, पाक बेचैन

ललित गर्ग
मोबाइल : 9811051133

**गोर का बयान इसलिए भारत के लिए एक उपलब्धि से अधिक एक संकेत है-संकेत इस बात का कि जम्मू-कश्मीर को लेकर अंतरराष्ट्रीय विमर्श धीरे-धीरे बदल रहा है। पाकिस्तान के लिए यह चेतावनी है कि केवल पुराने नारों और कूटनीतिक दबाव से वह कश्मीर को विश्व राजनीति के केंद्र में नहीं रख सकता और अमेरिका के लिए यह उसके बदलते हितों के अनुरूप संतुलन साधने की कोशिश है।**

अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर का 19 अगस्त 2026 को श्रीनगर में दिया गया यह बयान कि जम्मू-कश्मीर भारत का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, सामान्य कूटनीतिक टिप्पणी मानकर नजरअंदाज करने योग्य नहीं है। यह ऐसे समय आया है जब कश्मीर को लेकर भारत और पाकिस्तान की धारणाओं के बीच अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार नए समीकरण बन रहे हैं। गोर ने जम्मू-कश्मीर की निरन्तर सुधर रही सुरक्षा स्थिति की बात कही और अमेरिकी यात्रा संबंधी परामर्श पर पुनर्विचार के संकेत भी दिए। पाकिस्तान ने इस बयान पर अमेरिका के शीर्ष राजनयिक को तलब कर तीखा विरोध दर्ज कराया। इस पूरे घटनाक्रम को केवल कश्मीर के संदर्भ में देखना पर्याप्त नहीं होगा। इसे भारत-अमेरिका संबंधों में आ रहे व्यापक परिवर्तन, दक्षिण एशिया की बदलती सामरिक संरचना और पाकिस्तान की घटती कूटनीतिक प्रभावशीलता के संदर्भ में समझना अधिक उचित होगा।

अमेरिका की कश्मीर नीति में लंबे समय से एक प्रकार की सावधानी रही है। वाशिंगटन सामान्यतः भारत और पाकिस्तान के बीच संवाद तथा शांतिपूर्ण समाधान की बात करता रहा है। अमेरिकी विदेश विभाग की पूर्व घोषित नीति भी जम्मू-कश्मीर में सामान्य स्थिति और राजनीतिक-आर्थिक स्थिरता की वापसी का समर्थन करती रही है। इसलिए गोर का श्रीनगर में जाकर जम्मू-कश्मीर को भारत का महत्वपूर्ण हिस्सा कहना निश्चित रूप से भाषा के स्तर पर एक उल्लेखनीय परिवर्तन है। लेकिन इसे अमेरिका की पूरी कश्मीर नीति में तत्काल और औपचारिक परिवर्तन मानना भी जल्दबाजी होगी। किसी राजदूत का बयान और किसी सरकार की औपचारिक नीति में अंतर होता है। फिर भी कूटनीति में शब्दों का अपना महत्व होता है। विशेष रूप से तब, जब वही शब्द उस भूभाग में बोले जाएं जिसे पाकिस्तान दशकों से अंतरराष्ट्रीय विवाद के रूप में प्रस्तुत करता रहा है। इस दृष्टि से गोर का बयान भारत के लिए मनोवैज्ञानिक और कूटनीतिक दोनों स्तरों पर महत्वपूर्ण है।

इस बयान का दूसरा महत्वपूर्ण पक्ष जम्मू-कश्मीर की बदलती जमीन से जुड़ा है। गोर ने सुरक्षा व्यवस्था में सुधार का उल्लेख करते हुए यात्रा संबंधी अमेरिकी परामर्श में कमी लाने की संभावना जताई है। इसका अर्थ यह है कि वाशिंगटन अब कश्मीर को केवल सुरक्षा संकट या आतंकवाद की दृष्टि से देखने के बजाय पर्यटन, आर्थिक गतिविधियों और सामान्य जनजीवन की संभावनाओं वाले क्षेत्र के रूप में भी देख रहा है। यहीं से भारत-अमेरिका संबंधों की नई रोशनी दिखाई देती है। दोनों देशों के संबंध अब केवल व्यापार या रक्षा तक सीमित नहीं हैं। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव, समुद्री सुरक्षा, प्रौद्योगिकी, ऊर्जा, आपूर्ति-शृंखला और वैश्विक शक्ति-संतुलन जैसे विषयों ने भारत को अमेरिका के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बना दिया है। हालांकि दोनों देशों के बीच व्यापार और शुल्क जैसे मुद्दों पर मतभेद भी मौजूद हैं, फिर भी व्यापक सामरिक साझेदारी अपनी उपयोगिता बनाए हुए है। हाल में अमेरिकी विदेश मंत्री की भारत यात्रा का उद्देश्य भी तनावों के बीच संबंधों को सुदृढ़ करना और व्यापार तथा ऊर्जा सहयोग को आगे बढ़ाना था।

इसलिए कश्मीर पर अमेरिकी भाषा को भारत-अमेरिका संबंधों के व्यापक पुनर्संतुलन का हिस्सा मानना अधिक तार्किक होगा। अमेरिका के लिए भारत अब केवल दक्षिण एशिया का एक बड़ा देश नहीं, बल्कि एशिया में शक्ति-संतुलन का प्रमुख आधार है। भारत के लिए भी अमेरिका महत्वपूर्ण है, लेकिन भारत ने अपनी विदेश नीति को किसी एक शक्ति के साथ पूर्ण निर्भरता के बजाय रणनीतिक स्वायत्तता पर आधारित रखा है। यही कारण है कि भारत अमेरिका के साथ साझेदारी बढ़ाते हुए रूस, यूरोप, पश्चिम एशिया और अन्य शक्तियों के साथ भी अपने संबंध बनाए रखता है। कश्मीर के संदर्भ में यह घटनाक्रम पाकिस्तान के लिए निश्चित रूप से असहज करने वाला है। इस्लामाबाद ने गोर के बयान को अस्वीकार करते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर एक विवादित क्षेत्र है और उसका अंतिम निर्धारण होना बाकी है। पाकिस्तान ने इसे अमेरिका की पूर्व स्थिति से विचलन बताते हुए औपचारिक विरोध दर्ज कराया।

पाकिस्तान की समस्या यह है कि वह कश्मीर को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपनी विदेश नीति का केंद्रीय विषय बनाए रखना चाहता है, जबकि विश्व राजनीति की प्राथमिकताएं तेजी से बदल रही हैं। आतंकवाद, आर्थिक स्थिरता, चीन का बढ़ता प्रभाव, पश्चिम एशिया का संकट, समुद्री सुरक्षा और वैश्विक आपूर्ति-शृंखलाएं आज बड़ी शक्तियों की चिंता के केंद्र में हैं। ऐसे वातावरण में केवल कश्मीर के प्रश्न को बार-बार अंतरराष्ट्रीयकरण करने की पाकिस्तानी कोशिशों की प्रभावशीलता सीमित होती जा रही है। भारत ने दूसरी ओर लगातार यह रेखांकित किया है कि जम्मू-कश्मीर से जुड़े विषय भारत की संप्रभुता और द्विपक्षीय संबंधों के दायरे में आते हैं। गोर का श्रीनगर दौरा स्वयं इस दृष्टि से महत्वपूर्ण है कि एक प्रमुख अमेरिकी राजनयिक ने जम्मू-कश्मीर की यात्रा की, वहां के निर्वाचित नेतृत्व से मुलाकात की और क्षेत्र की सुरक्षा तथा आर्थिक संभावनाओं पर सकारात्मक टिप्पणी की। यह पाकिस्तान की उस कोशिश के विपरीत है जिसमें वह कश्मीर को केवल विवाद और अस्थिरता के चश्मे से प्रस्तुत करना चाहता है।

फिर भी भारत को इस बयान से अत्यधिक उत्साहित होकर यह मान लेने से बचना चाहिए कि अमेरिका ने कश्मीर पर अपनी संपूर्ण नीति बदल दी है। अमेरिका की विदेश नीति परिस्थितियों के अनुसार बदलती रहती है और वह भारत तथा पाकिस्तान दोनों के साथ अपने हितों को संतुलित करने की कोशिश करता है। आज भी वाशिंगटन के लिए पाकिस्तान आतंकवाद-रोध, क्षेत्रीय सुरक्षा और अफगानिस्तान सहित कुछ विषयों में उपयोगी साझेदार है। अतः भारत के लिए इस बयान का वास्तविक महत्व किसी औपचारिक अमेरिकी नीति-परिवर्तन से अधिक उस कूटनीतिक वातावरण में है, जिसमें भारत की स्थिति को पहले की तुलना में अधिक गंभीरता से लिया जा रहा है। यहां एक और महत्वपूर्ण बात है। कूटनीति में किसी देश का महत्व केवल इस बात से तय नहीं होता कि कितने देश उसके पक्ष में बयान दे रहे हैं, बल्कि इससे तय होता है कि वैश्विक शक्तियों के हित उसके साथ कितने गहरे जुड़े हैं। आज भारत की आर्थिक क्षमता, विशाल बाजार, तकनीकी सामर्थ्य, लोकतांत्रिक संस्थाएं, युवा शक्ति और सामरिक स्थिति उसे विश्व व्यवस्था का महत्वपूर्ण स्तंभ बनाती हैं। इसी बदलती वास्तविकता का प्रभाव कश्मीर पर भी दिखाई देना स्वाभाविक है।

गोर का बयान इसलिए भारत के लिए एक उपलब्धि से अधिक एक संकेत है-संकेत इस बात का कि जम्मू-कश्मीर को लेकर अंतरराष्ट्रीय विमर्श धीरे-धीरे बदल रहा है। पाकिस्तान के लिए यह चेतावनी है कि केवल पुराने नारों और कूटनीतिक दबाव से वह कश्मीर को विश्व राजनीति के केंद्र में नहीं रख सकता और अमेरिका के लिए यह उसके बदलते हितों के अनुरूप संतुलन साधने की कोशिश है। अंततः कश्मीर की स्थायी शांति केवल अंतरराष्ट्रीय बयानों से नहीं, बल्कि लोकतंत्र, विकास, सुरक्षा, जनभागीदारी और सीमा-पार आतंकवाद के अंत से सुनिश्चित होगी। भारत को इस नए कूटनीतिक वातावरण का उपयोग आक्रामक प्रचार के बजाय जिम्मेदार और आत्मविश्वासी राष्ट्र की तरह करना चाहिए। सर्जियो गोर का बयान इस बदलती तस्वीर की एक महत्वपूर्ण झलक है-जहां कश्मीर को लेकर भारत की स्थिति पहले की अपेक्षा अधिक स्पष्ट अंतरराष्ट्रीय स्वीकार्यता प्राप्त करती दिखाई दे रही है और पाकिस्तान की कूटनीतिक चुनौती पहले से अधिक कठिन होती जा रही है।

## नजरिया

# गूगल गुरु हो गए, बुजुर्गों के अनुभव से परहेज

संजय सक्सेना
मोबाइल : 9454105568

**जब हम इस पूरे परिश्य का एक गंभीर और भावनात्मक अध्ययन करते हैं, तो इसके निष्कर्ष देश और समाज के भविष्य को लेकर गहरी चिंता पैदा करते हैं। एक ऐसा समाज, जहां बड़ों का सम्मान खत्म हो जाए और बच्चों को टोकने वाला कोई न बचे, वह समाज आत्मघाती रास्ते पर चल पड़ता है। जब बच्चों पर से बुजुर्गों की वह तीसरी आंख हट गई, तो युवा पीढ़ी पूरी तरह से निरंकुश हो गई। आज समाज में जो अपराध, नशाखोरी, मानसिक तनाव और डिप्रेशन की घटनाएं बढ़ रही हैं, उनके पीछे यही अकेलापन और मार्गदर्शन की कमी है।**

मोहल्ले के नुक्कड़ पर बिछी वह लकड़ी की बेंच आज भी वहीं है, लेकिन उस पर बैठने वाले खादी के कुर्ते और सफेद धोती वाले वे बाबा अब कहीं दिखाई नहीं देते। वे बुजुर्ग, जिनकी आंखें पूरे मोहल्ले के लिए पहरेदार का काम करती थीं, आज आधुनिकता की चकाचौंध में कहीं खो गए हैं। दोपहर की चिलचिलाती धूप में जब मां-बाप घर के भीतर सो रहे होते थे, तब यही बुजुर्ग गली के मोड़ पर बैठकर हर आते-जाते बच्चे पर अपनी पैनी नजर रखते थे। किसी बच्चे का हाथ साइकिल के पैडल से फिसला नहीं कि उनकी तरफ से एक चीख गूंज उठती थी, संभलकर चल। स्कूल बंक करके कंचे खेलने वाले या किसी बाग से अमरूद चुराने वाले बच्चों के लिए वे साक्षात यमराज की तरह प्रकट हो जाते थे। गलती देखते ही वहीं डांट लगाना, कान उमठना और फिर शाम को सीधे उस बच्चे के घर पहुंचकर उसके मां-बाप को आगाह करना उनकी दिनचर्या का एक अनिवार्य हिस्सा था। वे इसे अपना अधिकार और सबसे बड़ी सामाजिक जिम्मेदारी मानते थे। सबसे खूबसूरत बात यह थी कि जब वे घर पर शिकायत लेकर पहुंचते थे, तो कोई मां-बाप उनसे लड़ता नहीं था। समाज में एक अटूट विश्वास था कि अगर मोहल्ले के किसी बुजुर्ग ने बच्चे को टोका है, तो वह बच्चे के भले के लिए ही होगा। मां-बाप उनकी बातों को पूरे सम्मान के साथ सुनते, उनका आभार जताते और फिर अपने बच्चे को समझाते-बुझाते थे। पूरा मोहल्ला एक संयुक्त परिवार की तरह सांस लेता था, जहां हर बच्चा पूरे मोहल्ले का बच्चा होता था।

लेकिन आज समय का पहिया ऐसा घूमा कि मोहल्ले तो दूर, खुद घर के भीतर भी बच्चों को कुछ समझाने या टोकने की हिमाकत कोई नहीं कर पाता। आधुनिकता के नाम पर हमने जिस नई दुनिया का निर्माण किया है, उसने हमारे रहने के ढंग के साथ-साथ हमारी सोच को भी पूरी तरह बदल दिया है। पुराने आत्मीय मोहल्लों का स्वरूप अब तेजी से सिकुड़ रहा है और उनकी जगह चमचमाती कंक्रीट की कॉलोनियों और गगनचुंबी अपार्टमेंट्स ने ले ली है। इन बड़े-बड़े अपार्टमेंट्स के बंद फ्लैटों में लोग खुद को कैद कर चुके हैं। आज की स्थिति यह है कि एक ही मंजिल पर रहने वाला पड़ोसी सालों-साल दूसरे पड़ोसी का नाम तक नहीं जानता। हर घर के दरवाजे पर एक अदृश्य बोर्ड टंगा है, जिस पर लिखा है कि कृपया हमारे निजी जीवन में दखल न दें। इस तथाकथित प्राइवेसी या निजता की संस्कृति ने समाज के उस ताने-बाने को छिन्न-भिन्न कर दिया है, जो कभी हमें एक सूत्र में बांधकर रखता था। जब पड़ोसी ही पड़ोसी से बेगाना हो गया, तो भला कोई किसी के बच्चे की गलती पर जुबान खोलने का जोखिम क्यों उठाएगा। आज अगर कोई बुजुर्ग किसी बच्चे को उसकी भलाई के लिए भी टोक दे, तो बच्चे के माता-पिता ही लाठी-डंडा लेकर या पुलिस की धमकी देते हुए बुजुर्ग के दरवाजे पर पहुंच जाते हैं कि आपने हमारे बच्चे को बोलने की हिम्मत कैसे की।

यह बदलाव किसी एक व्यक्ति, परिवार या मोहल्ले की निजी समस्या नहीं है, बल्कि यह एक गहरे सामाजिक पतन की शुरुआत है, जिसका खामियाजा आज देश और समाज दोनों को भुगतना पड़ रहा है। इसका सबसे जीवंत और डरावना प्रमाण हमें देश की राजधानी के जंतर-मंतर जैसे संवेदनशील स्थलों पर देखने को मिलता है। जंतर-मंतर पर जब युवा और बच्चे किसी आंदोलन या धरने के नाम पर इकट्ठा होते हैं, तो वहां से निकलने वाली गालियां और अमर्यादित भाषा सुनकर रूह कांप जाती है। वे धरने और प्रदर्शन चाहे समाज के जितने भी अच्छे और ऊंचे उद्देश्यों के लिए आयोजित किए गए हों, लेकिन वहां मौजूद युवाओं के मुंह से टपकती बदजुबानी और गाली-गलौज इस बात का साफ अहसास कराती है कि हमारी महान भारतीय संस्कृति किस तरह दूषित की जा रही है। जंतर-मंतर तो महज एक राष्ट्रीय मंच है, जो मीडिया की नजरों में आ जाता है, अन्यथा पूरे देश के हर शहर, हर गली और हर चौराहे पर आज ऐसा ही माहौल बन चुका है। स्कूल और कॉलेज की वर्दी पहने बच्चे सरेआम सिगरेट का धुआं उड़ाते हुए ऐसी गंदी भाषा का इस्तेमाल करते हैं कि वहां से किसी सभ्य राहगीर का गुजरना मुहाल हो जाता है।

इस सांस्कृतिक और नैतिक पतन के पीछे पाश्चात्य सभ्यता की वह अंधी नकल है, जिसने हमारे युवाओं को पूरी तरह से 'जेन जी' यानी एक ऐसी नई पीढ़ी में बदल दिया है, जो जड़ों से कटी हुई है। पश्चिमी देशों की व्यक्तिवादी सोच को अपनाकर यह पीढ़ी मानती है कि वे पूरी दुनिया में सबसे अलग और सबसे होशियार हैं। इस पीढ़ी के व्यवहार में एक अजीब-सा उथलापन, अधीरता और अहंकार साफ देखा जा सकता है। खुद को अपने माता-पिता और दादा-दादी से ज्यादा बुद्धिमान समझना इन युवाओं की फितरत बन चुकी है। इंटरनेट और सोशल मीडिया के दौर में गूगल को अपना गुरु मानने वाले इन युवाओं को लगता है कि जीवन का हर ज्ञान स्क्रीन स्क्रॉल करने से मिल सकता है। वे यह भूल जाते हैं कि ज्ञान और अनुभव में बहुत बड़ा फर्क होता है। जो अनुभव बुजुर्गों के माथे की झुर्रियों और सफेद बालों में छुपा होता है, उसे किसी सर्च इंजन से डाउनलोड नहीं किया जा सकता। बड़ों की सीख को 'ओल्ड स्कूल' या दकियानूसी कहकर खारिज कर देना इस पीढ़ी का फैशन बन गया है, जिसके कारण वे एक वैचारिक और नैतिक शून्य में जी रहे हैं।

जब हम इस पूरे परिदृश्य का एक गंभीर और भावनात्मक अध्ययन करते हैं, तो इसके निष्कर्ष देश और समाज के भविष्य को लेकर गहरी चिंता पैदा करते हैं। एक ऐसा समाज, जहां बड़ों का सम्मान खत्म हो जाए और बच्चों को टोकने वाला कोई न बचे, वह समाज आत्मघाती रास्ते पर चल पड़ता है। जब बच्चों पर से बुजुर्गों की वह तीसरी आंख हट गई, तो युवा पीढ़ी पूरी तरह से निरंकुश हो गई। आज समाज में जो अपराध, नशाखोरी, मानसिक तनाव और डिप्रेशन की घटनाएं बढ़ रही हैं, उनके पीछे यही अकेलापन और मार्गदर्शन की कमी है। पुराने समय में जब कोई बच्चा रास्ता भटकता था, तो मोहल्ले का बुजुर्ग उसे डांटकर सही रास्ते पर ले आता था, जिससे वह बड़ी मुसीबतों से बच जाता था। आज का युवा अपनी गलतियों को सुधारने के लिए किसी टोकने वाले के न होने के कारण सीधे कानून की गिरफ्त में आता है या फिर खुद को तबाह कर लेता है।

कुल मिलाकर, राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया सिर्फ ऊंची इमारतें, चौड़ी सड़कें और बड़ी कंपनियां बनाने से पूरी नहीं होती, बल्कि इसके लिए नागरिकों के भीतर नैतिक मूल्यों और चरित्र का होना अनिवार्य है। यदि देश की युवा शक्ति संस्कारविहीन, उच्छृंखल और अमर्यादित हो जाएगी, तो आर्थिक रूप से समृद्ध होने के बाद भी हम एक खोखले राष्ट्र के रूप में खड़े होंगे। बुजुर्ग समाज की वह नींव होते हैं, जो अदृश्य रहकर भी पूरे मकान का बोझ संभाले रखते हैं।

उनकी डांट में कोई दुश्मनी नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ी को तराशने की ममता छुपी होती थी। अगर हमें अपनी संस्कृति, अपने देश और अपने समाज को इस गर्त में गिरने से बचाना है, तो हमें कॉलोनियों और अपार्टमेंट्स की बंद दीवारों को तोड़कर फिर से उस मोहल्ला संस्कृति को पुनर्जीवित करना होगा। हमें अपने बच्चों को यह सिखाना होगा कि बड़ों का टोकना उनकी आजादी पर हमला नहीं, बल्कि उनकी सुरक्षा का कवच है। जब तक समाज में बुजुर्गों को उनका वह पुराना पहरेदार वाला हक वापस नहीं मिलेगा, तब तक जंतर-मंतर से लेकर देश के कोने-कोने तक मर्यादाएं ऐसे ही तार-तार होती रहेंगी और हम असहाय होकर अपने ही भविष्य को बिखरते देखते रहेंगे।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंडर एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

## साउथ सिनेमा की अभिनेत्री सौकार जानकी का निधन

**मुंबई/एजेन्सी**

तेलुगु, तमिल, कन्नड़ और मलयालम सिनेमा में सात दशक से ज्यादा समय तक काम करने वाली दिग्गज अभिनेत्री सौकार जानकी का शुक्रवार को 94 साल की उम्र में निधन हो गया। उनके निधन की खबर से साउथ फिल्म इंडस्ट्री में शोक की लहर है। जूनियर एनटीआर, विष्णु मांचू और अभिनेता-निर्देशक प्रभुदेवा समेत कई कलाकारों ने उन्हें याद करते हुए श्रद्धांजलि दी। सौकार जानकी का असली नाम शंकरमंची जानकी था। उम्र से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं के चलते उनकी तबीयत खराब रहने लगी थी और उन्हें चेन्नई के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था। शुक्रवार को दोपहर करीब 1 बजकर 59 मिनट पर उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन की खबर सामने आते ही सिनेमा से जुड़े लोगों ने सोशल मीडिया के जरिए उनके परिवार के प्रति संवेदना जाहिर की और उनके लंबे फिल्मी

सफर को याद किया।जूनियर एनटीआर ने अभिनेत्री के निधन पर गहरा दुख जताया। उन्होंने एक्स पर तेलुगु में एक भावुक पोस्ट शेयर किया और लिखा, ''सौकार जानकी ने तेलुगु और भारतीय सिनेमा में अलग पहचान बनाई थी। उनके निधन की खबर बेहद दुखद है। उनका फिल्मी सफर और किरदार हमेशा लोगों की यादों में जिंदा रहेंगे। भगवान उनकी आत्मा को शांति दें।''

विष्णु मांचू ने भी सौकार जानकी को याद करते हुए अपने पोस्ट में लिखा, ''सौकार जानकी के निधन से बेहद दुखी हूं। उनकी गरिमा, उनका व्यक्तित्व और शानदार काम हमेशा पीढ़ियों तक जिंदा रहेगा। आज के युवाओं को उनकी फिल्मों और उनके काम को देखना चाहिए और जानना चाहिए कि वह कितनी बड़ी और महान कलाकार थीं। उनके परिवार के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना है।''अभिनेता और निर्देशक प्रभुदेवा ने भी सौकार जानकी के निधन पर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट लिखकर दुख जताया।सौकार जानकी का फिल्मी सफर बेहद लंबा और खास रहा। उन्होंने करीब 400 फिल्मों में काम किया और तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम सिनेमा में पहचान बनाई। सात दशक से ज्यादा लंबे करियर में उन्होंने अलग-अलग तरह के किरदार निभाए। वह उन कलाकारों में शामिल थीं, जिन्होंने भारतीय सिनेमा के कई दौर आंखों के सामने बदलते देखे और हर दौर में अपनी जगह बनाए रखी। उनके योगदान को देश ने भी सम्मान दिया।

## अभी काम खत्म नहीं हुआ, विश्व चैंपियनशिप का पदक पक्का करने के बाद त्रीसा-गायत्री

नई दिल्ली/भाषा। भारत की त्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद ने शुक्रवार को कहा कि विश्व चैंपियनशिप में पदक तक पहुंचने के सफर में सयंमित बने रहना उनके लिए अहम रहा लेकिन साथ ही यह भी स्पष्ट किया कि अभी काम खत्म नहीं हुआ है' क्योंकि उनकी नजरें टूर्नामेंट में और आगे बढ़ने पर है। भारतीय जोड़ी ने महिला युगल क्वार्टर फाइनल में चीन की जिया यी फान और झांग शू शियान को 16-21, 21-15, 21-13 से हराकर पदक पक्का किया। भारत ने महिला युगल में आखिरी बार बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप का पदक 2011 में जीता था जब ज्वाला गुट्टा और अश्विनी पोनप्पा ने लंदन में कांस्य पदक हासिल किया था। गायत्री ने पत्रकारों से कहा, ''मुझे लगता है कि शांत और संयमित रहना तथा मौजूदा स्थिति पर ध्यान केंद्रित करना जरूरी था। हमें उनके खिलाफ अंक हासिल करने के लिए यही करना था। हमारे दिमाग में यही सोच थी और मुझे लगता है कि यह वास्तव में काम आई।''

त्रीसा ने कहा कि ''जीत की असली अहमियत उन्हें निर्णायक गेम के अंतिम चरण में जाकर महसूस हुई। उन्होंने कहा, जब आप इस स्तर के खिलाड़ियों के खिलाफ खेलते हैं और जीतते हैं, तभी आप वास्तव में उस जीत को महसूस कर पाते हैं। अभी हम सिर्फ इस जीत को महसूस कर रहे हैं कि हम सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं और पोडियम पर होंगे। लेकिन अभी काम खत्म नहीं हुआ है। यह अंत नहीं है। हम यहां एक लक्ष्य लेकर आए थे।

### धरना

जलपाईगुड़ी जिले के मैनागुड़ी-चालसा मार्ग पर शुक्रवार को अन्नपूर्णा योजना के तहत कथित रूप से धनराशि न मिलने पर मौलानी ग्राम पंचायत कार्यालय के सामने धरना देकर राष्ट्रीय राजमार्ग 717 को जाम करतीं महिलाएं।

## इमरान खान अस्पताल में मेडिकल जांच के बाद वापस जेल में

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को शुक्रवार सुबह सरकारी 'पाकिस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज' (पीआईएमएस) में चिकित्सा जांच के बाद रावलपिंडी की अडियाला जेल वापस भेज दिया गया। चिकित्सा जांच के दौरान अल-शिफा अस्पताल के डॉक्टर भी मौजूद रहे। सरकार ने यह जानकारी दी।इससे पहले दिन में, खान के अंतरराष्ट्रीय मीडिया प्रवक्ता जुल्फी बुखारी ने कहा कि उच्चतम न्यायालय के आदेश के बाद पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) प्रमुख इमरान खान को अडियाला जेल से इस्लामाबाद के 'शिफा इंटरनेशनल हॉस्पिटल' में स्थानांतरित किया गया है।

यह कार्रवाई अदालत के 18 अगस्त के आदेश के अनुपालन में की गई, जिसमें खान को दो दिन के भीतर अस्पताल पहुंचाने का निर्देश दिया गया था। अदालत के समक्ष पेश की गई एक चिकित्सीय रिपोर्ट में कहा गया था कि वह लेवल थ्री प्लस एंग्जायटी'' (बेचैनी, घबराहट और चिंता) की समस्या से जूझ रहे हैं। 'लेवल थ्री प्लस एंग्जायटी'' का मतलब है बहुत अधिक या गंभीर चिंता, बेचैनी और घबराहट होना जिसकी वजह से रोजमर्रा के काम

प्रभावित होते हैं, शरीर पर बहुत अधिक तनाव पड़ता है और स्पष्ट रूप से सोचने की क्षमता पर असर पड़ता है। सूचना मंत्री अताउल्ला तरार ने खान को शिफा अस्पताल न ले जा पाने के लिए पीटीआई कार्यकर्ताओं को जिम्मेदार ठहराया। मंत्री ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, अल-शिफा अस्पताल के रास्ते में और उसके बाहर पीटीआई कार्यकर्ताओं की वजह से बनी सुरक्षा स्थिति को देखते हुए खान को पीआईएमएस ले जाया गया और मेडिकल जांच में वह स्वस्थ पाए गए हैं।'

' उन्होंने कहा कि मेडिकल जांच पीआईएमएस अस्पताल में की गई, जहां अल-शिफा अस्पताल के डॉक्टर भी मौजूद थे। खान की बहन उजमा ने प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि पीआईएमएस में पूर्व प्रधानमंत्री की कई मेडिकल जांच की गईं और उन्हें शुरू में बताया गया था कि पूरी जांच के लिए खान को शिफा अस्पताल ले जाया जाएगा।

### विरोध

पश्चिम बंगाल के पश्चिम मेदिनीपुर जिले में शुक्रवार को ऑनलाइन और ऑफलाइन आवेदन जमा करने के बावजूद अन्नपूर्णा भंडार योजना का लाभ न मिलने का आरोप लगाते हुए महिलाओं ने जिलाधिकारी कार्यालय के सामने विरोध प्रदर्शन किया।

## मैं सिंगिंग को करियर के तौर पर अपनाने के लिए तैयार नहीं था : शान

**मुंबई/एजेन्सी**

प्लेबैक सिंगर शान ने अपनी सुरीली आवाज और अलग-अलग तरह के गानों से भारतीय संगीत की दुनिया में खास पहचान बनाई है। एक समय ऐसा था, जब उन्हें खुद पर भरोसा नहीं था कि वह भी इसी क्षेत्र में अपनी जगह बना पाएंगे। उन्हें लगता था कि वह अपने परिवार में संगीत के मामले में सबसे कमजोर कड़ी हैं। इसके चलते वह शुरुआत में गायकी में करियर नहीं बनाना चाहते थे। शान ने फिल्म ट्रेड एक्सपर्ट कोमल नाहटा के पॉडकास्ट 'गेम चेंजर्स: द म्यूजिक सीरीज' में शुरुआती दिनों और संगीत के सफर के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि उनके पिता संगीतकार और अच्छे गायक थे। इसके अलावा उनके दादा, मां और बहन भी अच्छा गाते थे। ऐसे माहौल में बड़े होने के बावजूद, उन्हें लगता था कि उनकी गायकी परिवार के बाकी सदस्यों के मुकाबले कमजोर है।

शान ने कहा, ''मैं अपने परिवार में संगीत के मामले में सबसे कमजोर कड़ी था। मेरे पिता संगीतकार और बहुत अच्छे गायक थे। मेरे दादा, मां और बहन भी अच्छे गायक थे।

सच कहूं तो मुझे हमेशा लगता था कि संगीत के मामले में मैं अपने परिवार में सबसे कमजोर था।''उन्होंने कहा, ''बड़े होते समय मेरे अंदर विद्रोही सोच थी। मैं पत्रकारिता और विज्ञापन करना चाहता था, इसलिए मेरा ध्यान उन

चीजों की तरफ था। गायकी मेरे लिए स्वाभाविक रूप से आई। मैंने इसके लिए कोई प्रशिक्षण नहीं लिया था।''शान ने आगे कहा, ''लोग अक्सर मानते हैं कि गायकी की प्रतिभा परिवार से मिलती है, लेकिन मैं इसे जेनेटिक चीज नहीं मानता। मैं इसे कंडीशनिंग मानता हूं। जिस माहौल में कोई बच्चा बड़ा होता है, उसका असर भी उसकी प्रतिभा पर पड़ता है। घर में लगातार संगीत का माहौल होने की वजह से मेरे अंदर भी गायकी धीरे-धीरे आती गई।''शान ने कहा, ''मुंबई में रहने और माता-पिता के गायक होने की वजह से मुझे कम उम्र में ही गाने के कई मौके मिलने लगे थे। हालांकि, उस समय मैंने कई मौकों को ठुकरा दिया था। मैं गायकी को करियर के तौर पर अपनाने के लिए तैयार नहीं था।

बाद में लगातार मिलते अवसरों के कारण मैंने आखिरकार इसे स्वीकार कर लिया।'' उन्होंने बताया कि उनकी मां कोरस सिंगर थीं और उनके पिता से संगीत की दुनिया में कई लोग परिचित थे। जब उन लोगों को पता चला कि शान और उनकी बहन भी गा सकते हैं, तो उन्हें बहुत कम उम्र में विज्ञापनों के लिए गाने का मौका मिला।

### मांग

कौमी इंसाफ मोर्चा द्वारा अपनी सजा पूरी कर चुके सिख बंदियों की रिहाई की मांग को लेकर बुलाए गए 'पंजाब बंद' के दौरान शुक्रवार को अमृतसर में नारेबाजी करते प्रदर्शनकारी।

## एक्टिंग के बाद अब म्यूज़िक की दुनिया में शाज़ान पदमसी की एंट्री

**मुंबई/एजेन्सी**

एक्टिंग से दर्शकों का दिल जीतने के बाद अब शाज़ान पदमसी ने म्यूज़िक की दुनिया में भी अपना खूबसूरत कदम रख दिया है। उनका पहला ओरिजिनल सॉन्ग और डेब्यू सिंगल रातां कालियां अब रिलीज़ हो चुका है। स्क्रीन पर अपनी अलग पहचान बनाने वाली शाज़ान पदमसी अब अपनी आर्टिस्टिक जर्नी का एक नया रंग दर्शकों के सामने लेकर आई हैं।रातां कालियां के साथ शाज़ान ने बतौर सिंगर अपनी शुरुआत की है और इस गाने के जरिए अपनी क्रिएटिविटी का एक बेहद पर्सनल और दिल के करीब वाला पहलू दुनिया के सामने रखा है। माइक्रोफोन के पीछे कदम रखते हुए शाज़ान के लिए यह एक एक्साइटिंग नए चैप्टर की शुरुआत है।शाज़ान के लिए रातां कालियां सिर्फ एक डेब्यू सिंगल नहीं है, बल्कि प्यार को समझने और महसूस करने की एक इमोशनल जर्नी है। गाना उस सफर को बयां

करता है, जहां प्यार में भरोसा और सहारे की तलाश से शुरू होकर इंसान धीरे धीरे प्यार के असली और गहरे मायने समझता है। गाने की खूबसूरती इसी बात में है कि प्यार किसी खालीपन को भरने का नाम नहीं, बल्कि उस खास कनेक्शन का नाम है जहां आप खुद को पूरी तरह आज़ाद, सुरक्षित और असली रूप में महसूस कर सकें।

अपने म्यूज़िकल डेब्यू पर बात करते हुए शाज़ान पदमसी कहती हैं, म्यूज़िक हमेशा से मेरे लिए एक्सप्रेशन का एक बेहद पर्सनल जरिया रहा है, इसलिए रातां कालियां बनाना मेरे लिए बहुत खास है। यह गाना एक बेहद ईमानदार जगह से आया है और यह दिखाता है कि समय के साथ प्यार को लेकर मेरी समझ कैसे बदली है। अब तक मैं ज्यादातर किसी और की कहानियों का हिस्सा रही हूं। लेकिन रातां कालियां अलग है, क्योंकि यह मेरी अपनी कहानी है, जो सीधे दिल से निकली है। पहली बार मैं सिर्फ एक आवाज़ या परफॉर्मर नहीं हूं, बल्कि अपनी जर्नी की स्क्रिप्ट खुद लिख रही हूं। अपनी जिंदगी, एक्सपीरियंस और दिल की सच्ची बातों को मैंने म्यूज़िक में पिरोया है। रातां कालियां के साथ शाज़ान पदमसी ने अपने क्रिएटिव सफर का एक नया दरवाज़ा खोला है, जहां उनकी आर्टिस्टिक सेंसिबिलिटी और म्यूज़िक के लिए प्यार एक बेहद इंटिमेट, ईमानदार और पर्सनल अंदाज़ में साथ आते हैं। रातां कालियां अब रिलीज़ हो चुका है।

## प्रिया भवानी शंकर ने 'इरुमुड़ी' के सफर को बताया बेहद खास

**मुंबई/एजेन्सी**

दक्षिण भारतीय फिल्मों की जानी-मानी अभिनेत्री प्रिया भवानी शंकर इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'इरुमुड़ी' को लेकर चर्चा में हैं। निर्देशक शिव निर्वाण की इस फिल्म में वह अभिनेता रवि तेजा के साथ मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। वह फिल्म में कावेरी का किरदार निभा रही हैं, जो एक अच्छी पत्नी और मां है। अपने किरदार को लेकर उन्होंने कहा कि कावेरी उनके लिए बहुत खास है। प्रिया भवानी शंकर ने कहा, ''कावेरी मेरे लिए बहुत खास किरदार रहा है। जब मैंने कहानी सुनी और शिव निर्वाण की बनाई भावनाओं की दुनिया को समझा, तो मुझे ऐसी सच्ची और दमदार कहानी का हिस्सा बनकर बहुत खुशी हुई। 'इरुमुड़ी कट्टू' के रिश्तों में गर्मजोशी और भावनाएं हैं। इसी वजह से कावेरी का किरदार निभाने का सफर मेरे लिए बहुत खास रहा. फिल्म में रवि तेजा के साथ काम करने का मौका मिलने पर भी प्रिया काफी खुश नजर आईं। उन्होंने कहा, ''रवि तेजा के साथ काम करना मेरे लिए बहुत अच्छा अनुभव रहा। उनके काम करने के तरीके में सहजता है। इसकी वजह से हमारे साथ वाले सीन काफी आरामदायक और मजेदार रहे। डायरेक्टर को हर किरदार की भावनाओं को लेकर बहुत साफ समझ थी और उनके विजन के हिसाब से काम करना मेरे लिए बहुत खूबसूरत अनुभव रहा।'' उन्होंने कहा, ''इस सफर के दौरान मैंने अपने साथी कलाकारों और टीम के साथ बहुत सारी यादें बनाई। शूटिंग के दौरान कई मजेदार पल आए, खूब हंसी-मजाक हुआ और टीम के बीच ऐसी बातें भी हुईं, जो मेरे लिए निजी याद बन गईं।''अभिनेत्री ने कहा, ''जब हमने आखिरकार फिल्म की शूटिंग पूरी की तो मुझे एहसास हुआ कि हम इस सफर से फिल्म के अलावा भी कितना कुछ अपने साथ लेकर जा रहे हैं। हमने बहुत सारे सीन शूट किए, हजारों यादें बनाईं, और साथ में हंसी के बहुत सारे पल बिताए। यह उन यात्राओं में से एक थी, जहां जिन लोगों के साथ आप काम करते हैं, वे आपकी यादों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन जाते हैं। यह सच में बहुत खूबसूरत सफर रहा।'' प्रिया ने फिल्म के निर्माता नवीन येरनेनी और वाई. रवि शंकर का भी शुक्रिया अदा किया। उन्होंने कहा, ''मुझे इस फिल्म का हिस्सा बनने का मौका देने के लिए मैं दोनों की आभारी हूं। राष्ट्रीय पुरस्कार जीत चुके संगीतकार जी. वी. प्रकाश कुमार ने संगीत को भावनात्मक और मजबूत बनाया। मुझे उम्मीद है कि दर्शक फिल्म के किरदारों और उसमें दिखाई गई भावनाओं से जुड़ पाएंगे।'' यह फिल्म 21 अगस्त 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

## गोविंदा-सुनीता के रिश्ते में आया नया मोड़, तलाक की अर्जी वापस लेने बांद्रा कोर्ट पहुंचीं सुनीता आहूजा

मुंबई/एजेन्सी

गोविंदा और सुनीता आहूजा की शादी पिछले दो साल से लगातार चर्चा में रही है। दोनों के रिश्ते को लेकर कई तरह की खबरें सामने आती रही हैं। अब इस मामले में बड़ा अपडेट सामने आया है। सुनीता आहूजा ने अभिनेता गोविंदा के खिलाफ दायर तलाक की अर्जी वापस ले ली है। इस खबर की पुष्टि गोविंदा के मैनेजर शशि सिन्हा ने की। आईएएनएस से बातचीत में शशि सिन्हा ने बताया कि सुनीता बांद्रा स्थित फैमिली कोर्ट में पहले दायर की गई तलाक की अर्जी वापस लेने के लिए पहुंची थीं। उन्होंने कहा, ''सुनीता जी ने कोर्ट में जो अर्जी पहले दायर की थी, वह उसे वापस लेने के लिए गई थीं।'' बुधवार को सुनीता आहूजा अपने बेटे यशवर्धन आहूजा के साथ मुंबई के बांद्रा फैमिली कोर्ट पहुंचीं थी। कोर्ट से बाहर निकलते समय पैपराजी ने जब मां-बेटे से बात करने की कोशिश की, तो यशवर्धन नाराज नजर आए। उन्होंने फोटोग्राफर्स से रास्ता देने और मां को परेशान नहीं करने के लिए कहा।

कोर्ट से बाहर निकलते समय जब यशवर्धन से पूछा गया कि अंदर क्या हुआ, तो उन्होंने तेज आवाज में कहा, ''कुछ नहीं।'' वहीं, जब सुनीता से इस बारे में सवाल किया गया तो उन्होंने तंज कसते हुए कहा, ''बर्थडे मनाने आए थे।''रिपोटर्स के मुताबिक, सुनीता ने दिसंबर 2024 में बांद्रा फैमिली कोर्ट में तलाक की याचिका दायर की थी। इसके पीछे क्रूरता, व्यभिचार और साथ छोड़ने जैसे कारण बताए गए थे।दोनों के बीच चल रही अनबन तब ज्यादा चर्चा में आई थी, जब गोविंदा को उनकी फिल्म 'रूपा' की को-स्टार कोमल रानी स्वर्णकार के साथ एयरपोर्ट पर देखा गया। इसके बाद सुनीता ने गोविंदा और कोमल की नजदीकी को लेकर सवाल उठाए थे। उन्होंने गोविंदा के साथ नजर आ रही अभिनेत्री को लेकर भी नाराजगी जताई थी।सुनीता ने एक बातचीत में गोविंदा को 'शुगर डैडी' तक कह दिया था। उन्होंने कहा था कि वह ऐसी लड़की के साथ घूम रहे हैं, जो उनकी बेटी की उम्र की है। इसके अलावा, उन्होंने कोमल के पहनावे पर भी टिप्पणी की थी और उन्हें ठीक से कपड़े पहनने की सलाह दी थी।

हालांकि, गोविंदा और कोमल के बीच किसी प्रेम संबंध की कोई पुष्टि नहीं हुई है। गोविंदा ने अपने इस रिश्ते को पूरी तरह पेशेवर बताया। सुनीता इससे पहले भी अपनी शादीशुदा जिंदगी और गोविंदा के कथित अफेयर्स को लेकर खुलकर बात करती रही हैं। दोनों के रिश्ते में तनाव की खबरें कई बार सामने आ चुकी हैं। गोविंदा-सुनीता ने 1987 में शादी की थी। दोनों के दो बच्चे हैं, बेटी टीना आहूजा और बेटा यशवर्धन आहूजा। टीना को नर्मदा के नाम से भी जाना जाता है। वह साल 2015 में फिल्म 'सेकंड हैंड हसबैंड' से बॉलीवुड में कदम रख चुकी हैं। वहीं, यशवर्धन भी अभिनय की दुनिया में कदम रखने की तैयारी कर रहे हैं।

# तत्त्व जिज्ञासा ही ज्ञान और आत्मजागरण की पहली सीढ़ी : साध्वी प्रियरंजनाश्री

चेन्नई/दक्षिण भारत। यहां रिथर्डन रोड स्थित कुशल बाग में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री प्रियरंजनाश्रीजी ने प्रवचन में कहा कि आध्यात्मिक साधना का वास्तविक उद्देश्य आत्मा में छिपे गुणों को पहचानना और उन्हें विकसित करना है। आत्मा गुणों का अनमोल खजाना है, किंतु उसके जागरण के लिए तत्त्व-जिज्ञासा का होना आवश्यक है। जितनी गहरी जिज्ञासा होगी, उतना ही ज्ञान का विस्तार होगा। उन्होंने कहा कि किसी दुकान पर जाने मात्र से व्यक्ति धनवान नहीं बन जाता, लेकिन धनवान बनने की संभावना अवश्य उत्पन्न होती है। उसी प्रकार गुरु, प्रवचन और स्वाध्याय के सान्निध्य में आने से ज्ञान प्राप्ति की संभावना बढ़ती है, परंतु उसके लिए भीतर जिज्ञासा का जागना जरूरी है। साध्वीश्री शुभांजनाश्रीजी ने कहा कि धर्म का सार केवल अच्छा दिखना, अच्छा करना या अच्छे विचार रखना नहीं, बल्कि भीतर से अच्छा बनना है। बाहरी सेवा, दान और त्याग तभी सार्थक हैं, जब उनके पीछे अहंकार, स्वार्थ और फल की अपेक्षा न हो।

# राखी त्योहार के लिए जोधपुर के लिए विशेष ट्रेन

चेन्नइ/दक्षिण भारर्त। यहां दक्षिणी रेलवे से प्राप्त जानकारी के अनुसार उत्तर पश्चिम रेलवे ने राखी त्योहार के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को संभालने के लिए मांग पर चलने वाली ट्रेन संख्या 04815/04816 जोधपुर - चेन्नई बीच/डॉ. एमजीआर चेन्नई सेंट्रल-जोधपुर एक्सप्रेस स्पेशल का संचालन करने जा रही है। ट्रेन संख्या 04815 जोधपुर-चेन्नई बीच एक्सप्रेस स्पेशल का एक फेरा शनिवार 29 अगस्त को जोधपुर से रात 9:20 बजे प्रस्थान करेगी और तीसरे दिन रात 8:00 बजे चेन्नई बीच पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन संख्या 04816 डॉ. एमजीआर चेन्नई सेंट्रल - जोधपुर एक्सप्रेस स्पेशल 1 सितंबर, मंगलवार को शाम 5:15 बजे डॉ. एमजीआर चेन्नई सेंट्रल से प्रस्थान करेगी और तीसरे दिन रात 8:30 बजे जोधपुर पहुंचेगी। इस ट्रेन में 2 एसी टू टियर कोच, 15 एसी थ्री टियर कोच और 2 लगेज कम ब्रेक वैन होंगे।

# अच्छे-बुरे कर्मों का फल अवश्य मिलता है : मुनिश्री मोक्षानंदविजय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय गोड़वाड़ भवन में चातुर्मासार्थ विराजित गच्छाधिपति आचार्यश्री नित्यानंदसूरीश्वरजी की निश्रा में दैनिक प्रवचन करते हुए मुनिश्री मोक्षानंद विजयजी ने कहा कि जिसका मन संसार में रचा बसा है उसे पाप कार्यों में रस आने लगता है लेकिन वह भूल जाता है कि पाप का परिणाम दुःख है। व्यक्ति हंसते-हंसते पाप कर्म बाँध लेता है किंतु रोते-रोते भी छुटकारा नहीं होता।

संतश्री ने कहा, अच्छे-बुरे कर्मों का फल अवश्य मिलता है। निकाचित कर्मों का फल तो तीर्थंकरों की आत्मा को भी भोगना पड़ता है। कर्मों की गति बड़ी विचित्र है। व्यक्ति पाप तो बहुत करता है लेकिन पाप का फल नहीं चाहता। पाप करने वाले के मन में जब तक दुर्गति का भय नहीं आएगा तब तक पाप यात्रा रुकने वाली नहीं। बहुत सारे लोग दूसरों के लिए बुरा सोचते रहते हैं। भले वह किसी का कुछ नहीं बिगाड़ पाते किंतु मन से बुरे विचार करके वह नरक या तिर्यंच गति का बंधन कर लेते है। यदि आत्मा को पतन के गर्त से गिरने से बचाना है तो मन में सभी के लिए हमेशा अच्छा चिंतन करना चाहिए।

मुनिश्री ने कहा कि अच्छे विचार तभी उद्भवित होंगे जब आहार भी सात्विक होगा। क्योंकि व्यक्ति जैसा अन्न खाता है वैसा ही उसका मन बनता है लेकिन अन्न को खरीदने के लिए जो धन कमाता है वह धन भी न्याय और नीति के मार्ग से आया हुआ होना चाहिए। बेईमानी से कमाया हुआ धन रोग, चिंता और क्लेश का कारण बनता है। मन की शुद्धि से पूर्व अन्न की शुद्धि और उससे पूर्व धन की शुद्धि होना बहुत जरूरी है।

आजकल हर कोई धनवान बनने के लिए लालायित है और उसके लिए वह हर तरह का पाप करने के लिए तैयार हो जाता है। धन की लालसा व्यक्ति को पाप के मार्ग पर बढ़ाने लगती है। पाप की दलदल में फंसने के बाद जब वह चारों तरफ दुःखी हो जाता है तब सिर्फ पश्चाताप ही बचता है। अतः व्यक्ति को पाप से अवश्य डरना चाहिए।

मुनिश्री ने बताया जो पाप से डरता है उसे संसार में किसी से डरने की जरूरत नहीं रहती और पाप से नहीं डरता उसे पल पल सब तरफ से डरना पड़ता है। अपने जीवन को न्याय, नीति, ईमानदारी और धर्म मर्यादाओं के अनुसार जीने वाला व्यक्ति ही सच्चे सुख की अनुभूति कर पाता है। दोपहर में 108 पार्श्वनाथ भाव यात्रा के तीसरे भाग में 36 तीर्थों की संगीतमय यात्रा करवाई गई।

शुक्रवार को ही जीतो नार्थ के चेयरमैन विमल कटारिया, मंत्री अशोक भंडारी एवं सुरेश गन्ना ने आचार्य के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इसी मौके पर गोडवाड़ भवन के अध्यक्ष दिलीप सुराणा एवं महामंत्री विक्रम करबावाला भी उपस्थित थे।

## आदर्श उत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के आदर्श इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट एंड इन्फॉरमेशन टेक्नोलॉजी चामराजपेट द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तरीय अंतर महाविद्यालय उत्सव आदर्श एस्पायरिंग टुवर्ड्स ग्रेट अचीवमेंट 2026 के समापन समारोह में विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए विशिष्ट अतिथि महेंद्र मुणोत। इस मौके पर आदर्श शिक्षण संस्थान के अध्यक्ष पदमराज मेहता, प्राचार्य आर वेंकटरमन आदि भी उपस्थित थे।

# जीवन में विरोधी हमें सहनशील व विवेकशील बनाता है :संतश्री कमलेशमुनि

मैसूरु/दक्षिण भारत। शहर के स्थानकवासी जैन संघ हल्लदकेरी के तत्वावधान में विराजित कमल मुनिजी कमलेश ने कहा कि परमात्मा से बढ़कर विरोधी का हमारे जीवन में महत्वपूर्ण स्थान है, वह चुनौती देता है, हमारे में ऊर्जा का संचार करता है, कदम-कदम सावधान करने का काम करता है। गाड़ी में जितना ब्रेक का महत्व है, उतना ही जीवन में विरोधी का महत्व है। महापुरुषों को पूजनीय, विरोधियों ने ही बनाया है।

रावण न होता तो राम की पूजा नहीं होती। कर्मों को काटने में विरोधी का उपयोग अत्यंत महत्वपूर्ण है, वह हमें सहनशील, विवेकशील बनाता है।

## निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर 23 को

चेन्नई। यहां तमिलनाडु ऑटोमोबिलाइज़ मल्टीब्रांड कंसल्टेंट्स एसोसिएशन की ओर से आम जनता के लाभ के लिए एक सामाजिक कल्याण पहल के रूप में एक मेगा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन कर रहे हैं। यह स्वास्थ्य शिविर रविवार, 23 अगस्त को कोलाथुर स्थित एवरविन स्कूल में आयोजित किया जाएगा।

# आसक्ति का त्याग और मर्यादित आहार ही तप की सच्ची साधना : जयतिलक मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां साहुकारपेट के एसएस जैन संघ के तत्वावधान में जैन भवन के प्रांगण में चातुर्मासार्थ विराजित जयगच्छ के आचार्य श्री पार्श्वचन्दजी म.सा. एवं युवा मनीषी डॉ. श्री पदमचन्दजी म.सा. के आज्ञानुवर्ती श्री जयतिलक मुनिजी म.सा. ने अपने प्रेरणादायी प्रवचन में तप, संयम, मर्यादित आहार तथा आसक्ति त्याग के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। गुरुदेव ने तप धर्म का उल्लेख करते हुए कहा कि तप अनेक प्रकार के होते हैं। उनमें से एक प्रमुख तप 'उनोदरी तप' है, जिसमें व्यक्ति अपनी भूख से कम आहार ग्रहण करता है। यह केवल शरीर को नियंत्रित करने का साधन नहीं, बल्कि आत्मा की शुद्धि और इन्द्रिय विजय का श्रेष्ठ मार्ग है।

मुनिश्री ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपनी शक्ति, आवश्यकता एवं मर्यादा के अनुसार भोजन करना चाहिए। मर्यादित भोजन ही वास्तविक तप है। भोजन में संयम और मर्यादा रखने वाला व्यक्ति आत्मिक उन्नति के मार्ग पर तेजी से अग्रसर होता है। अपने प्रवचन में गुरुदेव ने विनय और क्रोध के विषय पर भी प्रेरक संदेश देते हुए कहा कि हमें विनय को सिर पर और क्रोध को पैरों के नीचे रखना चाहिए। विनम्रता मनुष्य का सबसे बड़ा आभूषण है, जबकि क्रोध उसके पतन का कारण बनता है। जो व्यक्ति विनय को अपनाता है, वह समाज और धर्म दोनों में सम्मान प्राप्त करता है। प्रवचन के अंत में गुरुदेव ने सभी श्रद्धालुओं को संयम, तप, त्याग और आत्मकल्याण के मार्ग पर अग्रसर होने की प्रेरणा प्रदान की।

रक्षाबंधन के पावन अवसर पर भाई-बहन के अटूट प्रेम, स्नेह एवं विश्वास को समर्पित एक विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन जय संस्कार महिला मंडल द्वारा किया जाएगा। इस कार्यक्रम में भाई-बहन के पवित्र रिश्ते पर आधारित विभिन्न प्रस्तुतियाँ, गीत, नृत्य, नाटिका एवं प्रेरणादायी कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

# श्रवण भक्ति से ही खुलता है जीवन परिवर्तन का द्वार : मुनि तीर्थचैतन्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां किलपॉक स्थित एससी शाह भवन में विराजित मुनिश्री तीर्थचैतन्य विजयजी ने शुक्रवार के प्रवचन में कहा कि भगवान की नौ प्रकार की भक्ति में श्रवण भक्ति का विशेष महत्व है। भगवान के चरित्र, गुण और प्रभाव को सुनना ही श्रवण है। जब हम श्रद्धापूर्वक भगवान की वाणी और महापुरुषों के जीवन-चरित्र को सुनते हैं, तब उनके प्रति प्रीति और भक्ति जागती है तथा धीरे-धीरे हमारा संबंध परमात्मा से जुड़ने लगता है। उन्होंने कहा कि आज हम व्यक्तित्व विकास के लिए अनेक कोर्स करते हैं, लेकिन यह भूल जाते हैं कि अच्छा वक्ता बनने से पहले अच्छा श्रोता बनना आवश्यक है। जो व्यक्ति ध्यानपूर्वक सुनता है, वही अपने जीवन में सुनी हुई बातों को उतार सकता है। केवल बोलने से परिवर्तन नहीं आता, जीवन को बदलकर बोलने से परिवर्तन आता है। इसलिए पहले श्रोता बनिए, फिर वक्ता बनने का प्रयास कीजिए।

मुनिश्री ने कहा कि श्रवण की शक्ति इतनी प्रबल है कि भगवान की कथा और वाणी का प्रभाव व्यक्ति के भीतर गहरा संस्कार छोड़ सकता है। उन्होंने कुमार भाई का प्रसंग सुनाते हुए बताया कि जन्म से जैन न होने के बावजूद उन्होंने प्रवचन सुनते-सुनते धर्म के प्रति ऐसी रुचि विकसित की कि उनका पूरा जीवन ही बदल गया। उन्होंने शास्त्रों का अध्ययन किया, साधना की और आगे चलकर अनेक साधु-साध्वियों को भी अध्ययन कराया। यह श्रवण की शक्ति का जीवंत उदाहरण है।

# भावी आचार्य महेन्द्रमुनि 73 वां जन्म दिवस मनाया गया

चेन्नई। यहां शुक्रवार को साहूकारपेट में बेसिन वाटर स्ट्रीट में स्थित स्वाध्याय भवन में भावी आचार्यश्री महेन्द्रमुनि म.सा. का 73 वां जन्म दिवस गुरु समर्पण दिवस के रुप मे मनाया गया। वरिष्ठ स्वाध्यायी वीरेन्द्र कांकरिया ने अपने जीवन पर भावी आचार्यश्री के उपकारो के प्रसंगों का उल्लेख करते हुए गुणगान किए। लीलमचंद बागमार ने भावविभोर कर देने वाली स्वरचित रचना सुनाते हुए गुणगान किए। आर नरेन्द्र कांकरिया ने भावी आचार्यश्री के विशिष्ठ सेवा विनय आदि गुणों का उल्लेख करते हुए कहा कि गुरु के हृदय में स्थान प्राप्त करने वाले भावी आचार्यश्री महेन्द्रमुनि म.सा गुरुदेव आचार्यश्री हीराचंद्र म.सा के समीप धूप-छाव की तरह रहने व गुरु के दिल मे वास करने वाले तपस्वी रत्न हैं।

रुपराज सेठिया ने जोधपुर में उम्मेद स्टेडियम में 51 वर्षों पूर्व दीक्षा प्रसंग पर उपस्थित रहने का प्रसंग सुनाया। स्वाध्यायीगण गौतमचंद मुणोत महावीरचन्द बागमार इंदरचंद कर्णावट दीपक पदमचंद श्रीश्रीमाल ने अनुशासन एवं शिष्टाचार से परिपूर्ण भावी आचार्यश्री के जीवन पर श्रद्धा भाव रखे। उपस्थित श्रद्धालुओं ने सामूहिक रुप से गुरु महेन्द्र चालीसा के पाठ करते हुए गुरु स्तुति की। जीवन संकल्प, तीन मनोरथ चिन्तन, गुरु सुखसाता पृच्छा पाठ, प्रत्याख्यान व नियम के पश्चात इंदरचंद कर्णावट ने मंगल पाठ किया। तीर्थंकरों,आचार्य भगवन्तों, भावी आचार्यश्री, उपाध्यायश्री, साध्वी प्रमुखा समस्त चरित्र आत्माओं की जयजयकार के संग गुरु समर्पण दिवस संपन्न हुआ।

# सप्त दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा हर्षोल्लास संपन्न

चेन्नई। सकथिवेल नगर स्थित नीलकंठ महादेव मंदिर सभागार में शिव शक्ति सनातन धर्म सेवा संस्थान ट्रस्ट के तत्वावधान में विगत सात दिनों से चल रही सप्तदिवसीय श्रीमद् भागवत कथा शुक्रवार को संपन्न हुआ। कथा श्रवण हेतु सैंकड़ों भक्तों ने शिरकत की।

कथावाचक धर्म ध्वजाचार्य महाराज के मधुर वाणी के तहत गुरुवार को गोपी बिरह, कंस वध एवं रुकमणी विवाह को शब्दों एवं झांकियां के द्वारा प्रस्तुत की गई लोगों ने सभी संदर्भ को आत्मसात किया संगीतमय इस आयोजन को सुनने हेतु भारी उमड़ पड़ी। शुक्रवार संध्या 6 बजे कार्यक्रम का शुरुआत श्री राधे 'गोविंदा मन भज ले हरि का प्यार हुआ इसके साथ ही श्रीमद् भागवत कथा आरंभ हुआ। सुदामा चरित्र, परिक्षित मोक्ष, सुखदेव विक्षोह आदि विषयों को रेखांकित करते हुए कथावाचक श्री धर्म ध्वजाचार्य महाराजजी कथा प्रस्तुत की।

# तमिलनाडु में 23 अगस्त को ईशा ग्रामोत्सवम की डिवीज़न-लेवल प्रतियोगिताएं; ग्रैंड फिनाले

## 6 सितंबर को कोयंबटूर में सद्गुरु की मौजूदगी में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नइर्त्र। यहां सद्गुरु के ईशा आउटरीच द्वारा हर साल आयोजित होने वाला भारत का सबसे बड़ा ग्रामीण खेल उत्सव, 'ईशा ग्रामोत्सवम', इस साल उत्तरी राज्यों के गांवों तक फैल गया है और इसे 10 राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में बड़े पैमाने पर आयोजित किया जा रहा है। तमिलनाडु में, ईशा ग्रामोत्सवम की डिवीज़न-लेवल प्रतियोगिताएं 23 अगस्त को 6 प्रमुख जगहों पर होंगी। इन प्रतियोगिताओं की विजेता टीमों के साथ ग्रैंड फिनाले 6 सितंबर को कोयंबटूर में ईशा योग केंद्र के आदियोगी में सद्गुरु की मौजूदगी में होगा। आगामी डिवीज़न प्रतियोगिताओं की घोषणा के लिए आज चेन्नई प्रेस क्लब में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई। ईशा के वॉलंटियर्स डॉ. सुंदर और महेंद्रन ने लोगों को संबोधित किया और उत्सव के विज़न और ग्रामीण समुदायों पर इसके बढ़ते प्रभाव के बारे में बात की।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए उन्होंने कहा: हालांकि हमारे गांवों की 60 प्रतिशत आबादी काम करने की उम्र की है, लेकिन बेरोजगारी और खेती की गिरती हालत युवाओं को गरीबी और नशे की लत की ओर धकेल रही है। इसी तरह, एक निश्चित उम्र के बाद महिलाओं के पास खेलों में भाग लेने के कोई अवसर नहीं बचते हैं।

उन्होंने आगे कहा, इसे दूर करने के लिए, सद्गुरु के विज़न और मार्गदर्शन में ईशा ग्रामोत्सवम शुरू किया गया था ताकि खेलों को ग्रामीण लोगों के रोजमर्रा के जीवन का एक अहम हिस्सा बनाया जा सके। पिछले कुछ वर्षों में, यह एक शक्तिशाली मंच के रूप में विकसित हुआ है जो ग्रामीण युवाओं को प्रेरित करता है, महिलाओं की भागीदारी और सशक्तिकरण को बढ़ावा देता है, स्वस्थ जीवन शैली और सामाजिक एकता को प्रोत्साहित करता है, सभी उम्र के लोगों को खेलने के अवसर देता है और ग्रामीण खेल प्रतिभाओं को सामने लाता है।

इस खेल आयोजन के तहत पुरुषों की वॉलीबॉल और महिलाओं की थ्रोबॉल प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। पेशेवर एथलीटों को इसमें भाग लेने की अनुमति नहीं है। गौरतलब है कि इन प्रतियोगिताओं में केवल ग्रामीण समुदायों के लोग ही भाग लेते हैं, जिनमें मछुआरे, किसान, दिहाड़ी मजदूर और गृहिणियां शामिल हैं। इस साल, यह स्पोर्ट्स फेस्टिवल 10 राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में आयोजित किया जा रहा है। खेलों में 1 करोड़ से ज़्यादा की इनामी राशि घोषित की गई है।

# दशा नहीं, दिशा बदलो, तब जीवन का सच्चा परिवर्तन संभव : आचार्य कुलबोधिसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां वेपेरी स्थित श्री भुवनभानुसूरी प्रवचन मंडप में शुक्रवार को आचार्य श्री कुलबोधिसूरीश्वरजी म. ने 'दशा नहीं, दिशा बदले' विषय पर श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि मनुष्य ही एकमात्र ऐसा प्राणी है, जिसके पास जीवन के साथ गति और दिशा हैं। गति धीमी हो, लेकिन दिशा सही हो तो मंजिल तक पहुंचना निश्चित है। सौभाग्य से हमें वीतराग प्रभु मिले हैं, जो जीवन को सही मार्ग और दिशा प्रदान करते हैं। आचार्य भगवंत ने आगे कहा कि हमारी आत्मा संसार की हर गति और हर स्थान पर घूमकर आ चुकी है, फिर भी हमारी दशा नहीं बदली, क्योंकि हमारी दिशा नहीं बदली। जगत, गति को महत्व देता है, जबकि जिनशासन सिखाता है कि गलत दिशा में तेज दौड़ने से बेहतर है, सही दिशा में चलना। जीवन में गति थोड़ी कम हो जाए तो चिंता की बात नहीं, लेकिन दिशा गलत नहीं होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि विज्ञान ने मनुष्य को अनेक सुख-सुविधाएं दी हैं, लेकिन जीवन को सही दिशा देने की शक्ति धर्म के पास है। पेड़ के पास जीवन है, गति नहीं, पशु के पास जीवन और गति दोनों हैं, लेकिन सही दिशा का विवेक नहीं। मनुष्य के पास जीवन, गति और दिशा तीनों हैं, इसलिए मनुष्य जीवन का सदुपयोग सही दिशा में करना चाहिए।

आचार्य श्री ने दशा और दिशा परिवर्तन के तीन सूत्र बताए, साधना में खेद नहीं, वात्सल्य में भेद नहीं और भावना में छेद नहीं। उन्होंने कहा कि थकान शरीर को होती है, जबकि खेद मन को होता है। मैत्री की दृष्टि अपनाने से मन का खेद समाप्त किया जा सकता है। भगवान महावीर और चंदनबाला का प्रसंग सुनाते हुए उन्होंने साधना में मानसिक प्रसन्नता और दृढ़ता का महत्व समझाया। धर्ममार्ग पर कष्ट आएंगे, इसलिए साधक को पहले से उन्हें सहन करने के लिए मानसिक रूप से तैयार रहना चाहिए। विभिन्न वादों और संकीर्णताओं पर उन्होंने कहा कि 'मेरा-तेरा', गच्छवाद, समुदायवाद और पंथवाद हमें छोटे-छोटे दायरों में बांटते हैं। जब 'मैं' और 'मेरा' छोटा होगा, तभी 'हम' बड़ा होगा। जिनशासन की एकता और शक्ति के लिए इन भेदों से ऊपर उठना आवश्यक है। भावना की निर्मलता पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि जिस प्रकार छोटा-सा छेद पूरी नाव को डुबो सकता है, उसी प्रकार भावना में आया छोटा-सा विकार भी साधना को प्रभावित कर सकता है। अट्ठमतप के तपस्वियों की अनुमोदना करते हुए उन्होंने सामूहिक रूप से अट्ठमतप का एकसाथ पचक्खाण लेने की प्रेरणा दी और कहा, एक बार शंखेश्वर दादा का पल्लू पकड़ लो, तो जीवन का कल्याण निश्चित है।

# सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया द्वारा मेगा रिटेल क्रेडिट आउटरीच प्रोग्राम का आयोजन

चेन्नई। बैंक की राष्ट्रव्यापी खुदरा ग्राहक संपर्क पहल के अंतर्गत, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया ने एगमोर स्थित वेस्टिन पार्क होटल के पालकी हॉल में एक मेगा रिटेल क्रेडिट आउटरीच कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महाप्रबंधक केंद्रीय कार्यालय पी. महादेवन चेन्नई के क्षेत्रीय प्रमुख एन. बालाचंद्रन उप क्षेत्रीय प्रमुख रमेश एस के साथ साथ बैंक के वरिष्ठ अधिकारी, ग्राहक, बिल्डर और अन्य हितधारक भी उपस्थित रहे।। समारोह का शुभारंभ तमिल थाई वाझथु के साथ हुआ,उसके बाद अतिथियों ने बैंक के संस्थापक सर सोराबजी पोचखानावाला को पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर चेन्नई के क्षेत्रीय प्रमुख एन. बालाचंद्रन ने बैंक की मजबूत विकास गति प्रतिस्पर्धी एवं ग्राहक-केंद्रित खुदरा बैंकिंग समाधान प्रदान करने की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि बैंक के खुदरा पहुंच कार्यक्रम ग्राहकों तक सक्रिय रूप से पहुंचाने , बैंकिंग और ऋण सुविधाओं को अधिक सुलभ बनाने, ग्राहक संबंधों को मजबूत करने और चेन्नई क्षेत्र में बैंक की खुदरा उपस्थिति का विस्तार करने के उद्देश्य से बनाए गए हैं।

चेन्नई के उप क्षेत्रीय प्रमुख रमेश एस. ने समयबद्ध, पारदर्शी और उत्तरदायी बैंकिंग सेवाओं के माध्यम से ग्राहकों के साथ दीर्घकालिक संबंधों को मजबूत करने के महत्व पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि महाप्रबंधक, केंद्रीय कार्यालय पी. महादेवन ने सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया की समृद्ध विरासत और इसके संस्थापक सर सोराबजी पोचखानावाला के दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला। इस कार्यक्रम में बैंक के खुदरा ऋण उत्पादों की व्यापक श्रृंखला प्रदर्शित की गई, जिसमें आवास ऋण, वाहन ऋण, शिक्षा ऋण, स्वर्ण ऋण, बंधक ऋण, व्यक्तिगत ऋण और सौर ऋण शामिल हैं।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.